संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 307
पृष्ठ 8
शनिवार
27 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पुरानी से पुरानी कब्ज का....

विचार- राजनैतिक हथियार बनता केन्द्रीय बजट

खेल- आईपीएल में हार्दिक-रोहित कप्तानी ..

पाकिस्तान ने पिछली हार से नहीं लिया सबक : मोदी

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को 'आतंकवाद का आका' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि पड़ोसी देश ने पिछली हार और गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा है और वह 'आतंकवाद और छद्म युद्ध' की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। श्री मोदी, द्रास में 25वें कारगिल विजय दिवस पर 1999 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अतीत में अपने सभी अनैतिक और शर्मनाक प्रयासों के लिए हार का सामना करना पड़ा है। श्री मोदी ने जम्मू–कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा, "वह (पाकिस्तान) अतीत में हमेशा विफल रहा है लेकिन उसने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। आज जब मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं जहां आतंक के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं, तो मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे। हमारे बहादुर जवान पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचल देंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।" प्रधानमंत्री ने 1999 के कारगिल युद्ध के बारे में कहा कि भारत ने न केवल युद्ध जीता, बल्कि 'सत्य, संयम और शक्ति' का अद्भुत उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, " आप जानते हैं, भारत उस समय शांति की कोशिश कर रहा था और बदले में पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना कुटिल चेहरा दिखाया लेकिन सत्य के सामने झूठ और आतंक की हार हुई।" प्रधानमंत्री ने अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सेना में अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा और युद्ध के लिए फिट रखना है। कांग्रेस पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोचते थे कि सेना का मतलब नेताओं को सलामी देना और परेड करना है, लेकिन हमारे लिए सेना का मतलब 140 करोड़ देशवासियों की आस्था है। श्री मोदी ने कहा, "अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाये रखना है, सेना को लगातार युद्ध के लिए फिट रखना है। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े ऐसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले करके हमारी सेना को कमजोर किया।" उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये वही लोग हैं, जो चाहते थे कि भारतीय वायुसेना को कभी आधुनिक लड़ाकू विमान न मिले। ये वही लोग हैं, जिन्होंने तेजस लड़ाकू विमान को खत्म करने की तैयारी कर ली थी। सच्चाई यह है कि अग्निपथ योजना देश को मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के बारे में भी बात की।

कारगिल युद्ध के दौरान जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कारगिल युद्ध भारत पर थोपा गया था। छद्म रूप से पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ कर भारत पर युद्ध थोपने का कार्य किया था। किन्तु युद्ध का परिणाम क्या होगा, यह हमारे बहादुर जवानों ने तय किया। उस समय हमारी सेना के वीर जवानों के सामने विपरीत परिस्थितियां थीं, लेकिन हमारे उनके सामने कोई दुश्मन टिक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सेंट्रल कमांड, कैंट के सूर्या सभागार में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिन वीर नारियों और परिवारों ने कारगिल युद्ध में अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, आज उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि बल, बुद्धि और विद्या में भारत जब दुनिया के अंदर सिरमौर था, तब भी हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। परंतु किसी आक्रांता ने यहां आकर हमारी शांति और हमारी सद्भावना के हनन का दुस्साहस किया तो भारत माता के बहादुर जवानों ने मातृभूमि के रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के साथ राज्य सरकार हमेशा खड़ी है। हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राज्य सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी की भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टिट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। इस मौके पर सीएम योगी ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय के पिता, राइफलमैन सुनील जंग की माता, नायक आबिद खान की माता, नायक रामकेश चंद्र यादव की पत्नी, नायक राजेंद्र यादव की पत्नी, लांस नायक अशोक कुमार यादव के बेटे, ब्रिगेडियर अखिल कुमार सिन्हा, कर्नल प्रभात रंजन, कर्नल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कौशिक, कर्नल क्षितिज श्रीवास्तव, नायक जितेंद्र सिंह और सिपाही विनोद कुमार दुबे को सम्मानित किया। इससे पहले सीएम योगी सेंट्रल कमांड, कैंट में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अमर जवानों को पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। साथ ही सीएम योगी ने कारगिल युद्ध के दौरान भारत के वीर जवानों के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

घर की छत गिरने से नवजात बच्ची की मौत, परिवार के पांच लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली में एक घर की छत का एक हिस्सा गिरने से एक नवजात बच्ची की मौत हो गई और परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तुगलकाबाद इलाके के चुरिया मोहल्ला में तड़के तीन बजे हुई और तब घर में सभी लोग सो रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जानकारी मिली है कि छत का एक हिस्सा गिर गया था। उन्होंने बताया कि एक मंजिला मकान एक संकरी गली में स्थित है और काफी पुराना है। हादसे में सोनू भूरे खान उनकी पत्नी और उनके तीन बच्चे घायल हुए हैं। बच्चों की उम्र क्रमशरू नौ, पांच और चार साल है। पुलिस ने बताया कि हादसे में उनकी दो महीने की पुत्री की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि घायलों का इलाज किया जा रहा है।

मानहानि के केस में राहुल गांधी ने दर्ज कराया बयान

लखनऊ। रायबरेली से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज मानहानि के एक मामले में सुल्तानपुर की एमपी–एमएलए कोर्ट में हाजिर होकर अपने बयान दर्ज कराए। कांग्रेस सांसद के खिलाफ सुल्तानपुर में गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी के मामले में मुकदमा चल रहा है। बयान दर्ज होने के बाद राहुल वहां से अगली तारीख 12 अगस्त की लेकर चले गये। राहुल गांधी की पेशी विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के कोर्ट में हुई। पेशी के दौरान न्यायाधीश ने राहुल गांधी से सवाल पूछा, क्यों चला मुकदमा? राहुल गांधी बोले कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते मुझे फंसाया गया है। मैंने बेंगलुरु के पत्रकार वार्ता में ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। इस मामले में 12 अगस्त को प्रतिवादी विजय मिश्र के अधिवक्ता की तरफ से गवाह पेश होंगे।

कंगना रनौत ने लोकसभा में कांग्रेस को खूब सुनाया, बोलीं-

पिछले 10 साल में जितना विकास हुआ है, 60 साल में नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने 26 जुलाई को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में हिमाचल प्रदेश इतना फला–फूला, जो पिछले 60 वर्षों में नहीं हुआ था। उन्होंने भ्रष्ट नीतियों को लागू करने के लिए वर्तमान कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। कंगना ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि दस साल पहले देश में अर्थव्यवस्था चरमराती और लडखड़ाती हालत में थी, लेकिन पिछले दस साल में यह विश्व में 11वें स्थान से पांचवें नंबर पर आई है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से निर्वाचित भाजपा सांसद ने कहा कि उनके राज्य में पिछले साल आई बाढ़ में व्यापक जनधन की हानि हुई और राज्य सरकार की ''लापरवाही की वजह से अब भी हिमाचल त्रासदी की हानि से बाहर नहीं आ पा रहा।'' उन्होंने बजट में हिमाचल प्रदेश में बाढ़ राहत के लिए विशेष पैकेज की घोषणा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार का आभार जताते हुए कहा कि ''पिछले दस साल में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में जितना विकास का काम किया है, उतना 60 साल में भी नहीं हुआ।'' कंगना ने कहा कि राज्य को अटल सुरंग जैसी वैश्विक अवसंरचना वाली परियोजनाएं मिली हैं, 11 हजार करोड़ रुपये की जलविद्युत परियोजनाएं स्वीकृत की गईहैं। उन्होंने मंडी में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा, ''इस बजट में 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प है और तब भारत दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था होगा।'' उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों को सशक्त बनाने वाला है। कंगना ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का आदेश गर्भपात कराना है या नहीं, यह महिला का एकाधिकार

लखनऊ, एजेंसी। गर्भपात कराये जाने को लेकर महिलाओं के पक्ष में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दो टूक कहा कि एक महिला स्वयं के निर्णय पर निर्भर करेगा कि उसे अपना गर्भपात करना है, अथवा बच्चे को जन्म देना है यानि गर्भपात नहीं कराना है। कोर्ट ने कहा यह किसी और को नहीं, बल्कि उसे ही तय करना है। यह मुख्य रूप से दैहिक स्वतंत्रता के स्वीकृत विचार पर आधारित है। यहां महिला की सहमति सर्वोच्च है। कोर्ट ने कहा दुष्कर्म पीड़िता 15 वर्षीय नाबालिग को यह स्वयं निर्णय करना होगा कि वह गर्भधारण रखना चाहती है अथवा गर्भपात कराना चाहती है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति शेखर बी. सर्राफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पीड़िता और उसके माता–पिता से परामर्श के बाद 32 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने से जुड़े जोखिमों पर विचार कर गर्भावस्था जारी रखने की अनुमति दे दी है।

मोदी ने कारगिल युद्ध स्मारक पर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री मोदी आज सुबह द्रास पहुंचे और 1999 में युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सेना के दिग्गजों ने भी कारगिल युद्ध स्मारक पर वीरों को श्रद्धांजलि दी। श्री मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विश्व की सबसे ऊंची शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट भी किया। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी सुरंग प्रणाली का निर्माण किया जायेगा। यह सुरंग निमू–पदुम–दारचा मार्ग पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर बनायी जा रही और इससे लेह के लिए हर मौसम में आवागमन की सुविधा होगी। सरकार का कहना है कि शिंकुन ला सुरंग ना केवल सशस्त्र बलों और उपकरणों की तीव्र और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। कारगिल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत के उपलक्ष्य में आज कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि 1999 में, पाकिस्तानी सैनिकों और कई समूहों के आतंकवादियों ने रणनीतिक श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास द्रास से बटालिक सेक्टर तक की चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारतीय सेना ने भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया और 74 दिन की लड़ाई के बाद सेना अपने क्षेत्र को वापस जीतने में कामयाब रही। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कारगिल युद्ध के अंत में 527 भारतीय हताहत हुए थे।

आया सावन पुलकित है मन

आया सावन पुलकित है मन,
हर्षित धरती का हर कण कण।।

बादल गरजे, मेघा छाए
चमक दामिनी हमें डराए,
प्रकृति ओढ़े हरी चदरिया,
पत्ता पत्ता भी मुस्काए,
नाचे गाए आनंदित हैं जन,
आया सावन पुलकित है मन।
हर्षित धरती का हर कण कण।।

पेड़ों पर झूले हैं लटके,
देख प्रिय को मन है भटके,
सखियां करती हंसी ठिठोली,
आ जाएं बस सब हमजोली,
भीगे आंचल, भीगे चोली,
बारिश में भीगे है हर तन,
आया सावन पुलकित है मन।
हर्षित धरती का हर कण कण।।

पोखर, नदियां हैं भर जाती,
सुधी धरती प्यास बुझाती,
पक्षी नभ में कलरव करते,
इंद्रधनुष को छूने उड़ते,
झरने करते गिर कर शोर,
कोयल कूके, नाचे मोर,
फूलों से भर जाए उपवन,
आया सावन पुलकित है मन।
हर्षित धरती का हर कण कण।।

शिव शंकर का पावन मास,
व्रत तपस्या का चौमास,
रुद्राभिषेक कर शिव को ध्यायो,
शिव गौरी की स्तुति गाओ,
मनवांछित फल उनसे पाओ,
संकट कटे हो सुखमय जीवन,
आया सावन पुलकित है मन।
हर्षित धरती का हर कण कण।।

गीता वार्ष्णेय
शिलांग, मेघालय
Shillong, 02
Meghalaya

कांवड़ यात्रा : 'नाम' प्रदर्शित करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच अगस्त तक बढ़ाई रोक, स्वेच्छा से नाम लिखने की अनुमति

नयी दिल्ली, 26 जुलाई (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्गो पर खाद्य पदार्थों के विक्रेता, होटल मालिकों को अपने और अपने यहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश पुलिस समेत अन्य के आदेश पर रोक शुक्रवार को पांच अगस्त तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने 'नाम' प्रदर्शित करने के आदेशों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रोक बढ़ाने संबंधी आदेश पारित करते हुए कहा कि यदि कोई स्वैच्छिक रूप नाम प्रदर्शित करना चाहे, तो ऐसा कर सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि पिछला आदेश (22 जुलाई) किसी को भी मालिकों और कर्मचारियों के नाम स्वेच्छा से प्रदर्शित करने से नहीं रोकता है। पीठ ने कहा, "अगर कोई स्वेच्छा से ऐसा करना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई जोर नहीं देना चाहिए," शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के एसएसपी द्वारा 17 जुलाई को जारी निर्देश का बचाव करने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के जवाबी हलफनामे पर अपना (याचिकाकर्ता का) जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि भेदभाव हुआ है, लेकिन यह स्थायी प्रकृति का नहीं है।

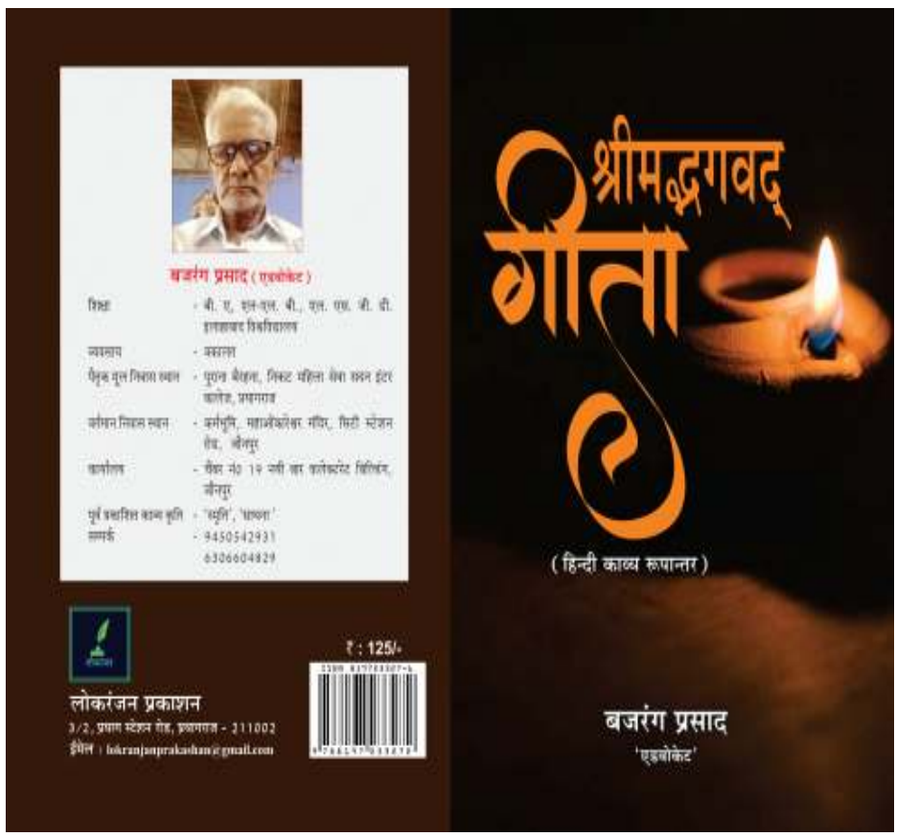

निरंजन डॉट पुल के नीचे पानी भरने से बढ़ी मुश्किल, सिविल लाइंस से पुराने शहर का संपर्क टूटा

प्रयागराज। शहर में दो दिन से हो रही लगातार बारिश के बाद निरंजन डॉट पुल के नीचे पानी भर गया है। इसके चलते सिविल लाइंस से प्रयागराज जंक्शन सहित पुराने शहर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया है। वाहनों को मेडिकल चौराहा या फिर हाईकोर्ट के आगे पानी की टंकी चौराहे से होकर पुराने शहर के खुल्दाबाद, लूकरगंज, हिम्मतगंज, करेली, करेलाबाग, मुट्ठीगंज, जॉनसेनगंज, चौक, घंटाघर, विवेकानंद मार्ग आदि जाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों को हो रही है। निरंजन डॉटपुल के नीचे घुटने भर से अधिक पानी भर गया है। यह स्थिति हर बरसात होने के बाद हर बार होती है। पानी निकासी का कोई प्रबंध न होने के कारण पुल के नीचे का इलाका तालाब में तब्दील हो जाता है। बाइक तो पूरी समा जाती है जब ज्यादा बारिश हो जाती है। सिविल लाइंस से पुराने शहर को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग है। इससे होकर ही यात्री प्रयागराज जंक्शन के एक नंबर प्लेटफार्म पर जाते हैं। यह मार्ग बंद होने के कारण दूसरे मार्ग से जाने पर घंटों जाम का सामना करना पड़ता है। तमाम यात्रियों की ट्रेन भी छूट जाती है। शुक्रवार को भी डॉट पुल के नीचे पानी भर जाने के कारण पुराने शहर में जाने के लिए पानी की टंकी और मेडिकल चौराहे से रामबाग वाले मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा।

स्ट्रीट लाइट घोटाले में दोषी अफसरों पर गिरेगी गाज

प्रयागराज में कम वजन के लगा दिए गए पोल, कमिश्नर ने कार्रवाई के दिए आदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में स्ट्रीट लाइट घोटाले में अफसर भी दोषी मिले हैं। इसकी पुष्टि तब हुई जब कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने इस मामले की जांच खुद कराई है। इस घोटाल में नगर निगम के प्रकाश मार्ग विभाग के अफसरों को दोषी पाया गया है।

जांच करने वाले अपर नगर आयुक्तों की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी मिले लोगों पर कार्रवाई किए जाने का निर्देश कमिश्नर द्वारा दिया गया है। जांच में यह पता चला है कि स्ट्रीट लाइट के लिए जो पोल लगते हैं वह कम वजन के लगा दिए गए हैं। इसमें जो भी नुकसान हुआ है इसकी रिकवरी संबंधित अधिकारियों से ही कराई जाएगी।

154 के बजाय लगा दिया 110 किग्रा का पोल : दरअसल, प्रकाश मार्ग विभाग की ओर से शहर के अलग–अलग हिस्से में स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही है। यह कार्य निजी एजेंसियों के जरिए कराया जा रहा है। अब इसमें अफसरों की मिलीभगत से एजेंसियों की ओर से मनमानी किया जा रहा है। इसकी शिकायत कमिश्नर से की गई थी। झूंसी, बाघंबरी गद्दी, अल्लापुर पानी टंकी के पास 154 के बजाय 110 किलोग्राम का पोल लगा दिया गया है। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट बदलने में खेल किया गया है।

मुख्य अभियंता की भूमिका भी संदिग्ध : दरअसल, भुगतान के पहले अधिकारियों को जांच करनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया। गड़बड़ी होने के बावजूद एजेंसी को भुगतान कर दिया गया। भुगतान संबंधित फाइलों पर मुख्य अभियंता द्वारा हस्ताक्षर कर दिया गया। ऐसे में मुख्य अभियंता की भी भूमिका संदिग्ध है। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्य अभियंता के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। संबंधित एजेंसी को भी डिबार करने की तैयारी है।

प्रयागराज के युवक से 3.50 लाख ठगे, एफआईआर

फेसबुक के जरिए दोस्ती की, 2 साल तक दोस्तों के अकाउंट में ट्रांसफर कराए रुपए

प्रयागराज। प्रयागराज के रहने वाले एक युवक को फेसबुक पर एक युवती से प्यार हो गया। दो साल तक दोनों प्यार के बंधन में ऑनलाइन बंधे रहे। युवती ने धीरे–धीरे कर युवक से 3.50 लाख रुपए ऐंठ लिए। कभी मौसी की लड़की की शादी में ड्रेस के नाम पर तो कभी किसी की फीस जमा करनी है यह कहकर। युवती के साथ दो अन्य युवक भी इस ठगी में शामिल रहे। युवती उन्हें अपना रिश्तेदार, दोस्त बताकर बात करती थी और रुपए उन्हीं के अकाउंट में ट्रांसफर कराती थी। युवक ने जब रुपए ट्रांसफर करना बंद किया तो युवती ने रिश्ता खत्म कर दिया। पहले प्यार फिर ठगी का शिकार हुए युवक ने युवती और उसके दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

युवक ने शिवकुटी थाने में दर्ज कराया केस : शिवकुटी थाना क्षेत्र के नयापुरा स्टेशनली रोड के रहने वाले संदीप कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2022 में एक लड़की से फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई। उसने अपना नाम पायल बताया। बातचीत करते–करते दोस्ती प्यार में बदल गई। पायल ने एक दिन 3 हजार रुपए की मांग की। कहा कि मेरी मौसी की लड़की की शादी है, ड्रेस लेना है। उसने एक मोबाइल नंबर का बार कोड दिया जो शाहिद अफरीदी के नाम से था। कहा कि ये दोस्त है। संदीप ने रुपए भेज दिए। इस तरह से कई बार में युवक से रुपए मंगाए गए। प्यार में फंसा युवक रुपए ट्रांसफर करता रहा।

युवती के दो दोस्त भी ठगी में शमिल : युवती ने अपने दोस्तों की मदद से साढ़े 3 लाख रुपए ठग लिए। पायल चौधरी ने पवन चौधरी नाम के युवक से भी बात कराई। वह पवन को अपना रिश्तेदार बताती रही। शाहिद अफरीदी के अकाउंट में रुपए मंगाए जाते रहे। बार–बार रुपए मांगने पर संदीप को शक होने लगा तो उसने रुपए देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पायल और अन्य ने बातचीत बंद कर दी। उनके मोबाइल भी बंद हो गए। संदीप ने पुलिस को तीनों के नंबर, फोटो, आईडी देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीएम मोदी ने किया था 8 राशन प्लांट का शिलान्यास

प्रयागराज में रोजाना 40 टन पुष्टाहार तैयार कर रही हैं समूह की महिलाएं

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में बैंक सखी और बीसी सखी के रूप में काम करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इन दिनों राशन प्लांट का भी संचालन कुशलता से कर रही हैं। जिन प्लांटों का ये महिलाएं जिम्मा उठा रही हैं, वहां प्रतिदिन करीब 40 टन राशन तैयार हो रहा है। यह राशन आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए जिलेभर के पंजीकृत कुपोषित बच्चों तक पहुंच रहा है। इससे महिलाओं की आय भी बढ़ रही है और कुपोषण के खिलाफ जंग के लिए एक मुहिम भी छिड़ी है। परेड मैदान में जिस पुष्टाहार प्लांट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था वो अब क्रियाशील हो चुका है।

जवाहर पंडित हत्याकांड

उदयभान ने जेल से बाहर बिताए 15 महीने आठ दिन, कभी शादी तो कभी बीमारी पर मिली जमानत

प्रयागराज। सपा विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे भाजपा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया को बृहस्पतिवार सुबह जेल से रिहा कर दिया गया है। जेल की रिपोर्ट में पता चला है कि करवरिया ने अपने आजीवन कारावास के दौरान कुल 15 महीने आठ दिन जेल के बाहर बिताया है। इसमें 11 महीने 13 दिन जमानत और तीन महीने 25 दिन पैरोल पर रहा है। पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया जनवरी 2014 से नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। राज्यपाल ने 19 जुलाई को समय पूर्व रिहा करने का आदेश जारी किया था। यह आदेश जिला प्रशासन की उस संस्तुति पर जारी किया था, जिसमें जेल में करवरिया का आचरण अच्छा बताया गया था। जेल अफसरों का कहना है कि इस दौरान करवरिया को कुल पांच बार जेल से बाहर जाने की अनुमति मिली है। जेल से बाहर आने का अलग–अलग कारणों को बताया गया है। इसमें पहला कारण उसकी बेटी की शादी है, जिसमें वह एक महीने 25 दिन दिन बाहर रहा। इसके बाद भतीजी की शादी में 23 दिन, फिर पत्नी के उपचार के लिए दो महीने व अपने खुद के इलाज के लिए दस महीने 20 दिन जेल से बाहर रहा है। लेकिन, यह भी पता चला है कि जब–जब करवरिया को पैरोल पर जाने या फिर हाईकोर्ट से जमानत मिली है तो उसने तय तारीख पर ही जेल में वापसी की है।

अच्छे आचरण वाले को मिलती है पैरोल
जेल अफसरों का कहना है कि अच्छा आचरण करने वाले बंदियों को पैरोल का प्रविधान किया गया है। इसका उद्देश्य है कि बंदी अपने पारिवारिक जीवन के साथ निरंतरता बना सके। इसलिए समय–समय पर जेल में बंद बंदी को पैरोल पर छोड़ा जाता है, लेकिन अगर कोई बंदी तय तारीख पर नहीं आता है तो उसे आगे पैरोल नहीं दी जाती है।

इन–इन तारीखों में मिली जमानत और पैरोल

1–बेटी की शादी के कारण उदयभान करवरिया ने 25 दिनों का पैरोल मांगी। 20 जनवरी 2020 से 15 फरवरी तक पैरोल देने का आदेश जारी हुआ और 21 जनवरी से वह जेल से बाहर आ गया। फिर 14 और 28 फरवरी को 15–15 दिनों की और पैरोल बढ़वाई गई। इस तरह कुल एक माह 25 दिन जेल के बाहर बिताया।

2–भतीजी की शादी के लिए हाईकोर्ट से 13 मई 2021 से पांच जून 2021 तक जमानत मिली। इस तरह कुल 23 दिन उदयभान करवरिया जेल से बाहर रहा।

3–पत्नी के उपचार के लिए करवरिया को पांच अक्तूबर 2021 से एक माह के लिए पैरोल दी गई। इसके बाद 16 नवंबर को एक महीने की और पैरोल दी गई। इस बीच करवरिया ने कुल दो माह जेल के बाहर बिताया।

4–करवरिया के स्वयं के उपचार के लिए हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल 2022 से 18 जून 2022 तक जमानत दी। इसके बाद पुनरू कोर्ट के आदेश पर 17 जून से पांच जुलाई तक जमानत मिल गई। इस तरह कुल दो माह 17 दिनों तक करवरिया ने जेल के बाहर रहा।

5–स्वयं के उपचार के लिए बार फिर करवरिया को हाईकोर्ट से आठ सितंबर 2022 से अगले 30 दिनों के लिए जमानत मिल गई। पुनरू न्यायालय के आदेश पर 29 सितंबर से 14 अक्तूबर तक जमानत मिली। वहीं, 12 अक्तूबर को न्यायालय ने आदेश दिया कि जिस दिन करवरिया को अस्पताल से छुट्टी मिलेगी, यह आदेश स्वतः समाप्त हो जाएगा। इस तरह कुल आठ माह तीन दिन जेल के बाहर रहने के बाद 12 मई 2023 को करवरिया जेल में पेश हो गया।

आजम खान मामले में यूपी सरकार से मांगा जवाब

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने को 10 दिन का समय दिया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सपा नेता आजम खान के दो बड़े मामलों में सुनवाई शुरू हुई। जौहर यूनिवर्सिटी में सफाई मशीन के मामले में दो घंटे तक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को 10 दिनों अंदर जवाब दाखिल करने को कहा है। अब मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। इस मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार को जवाब दाखिल करने का समय दे दिया। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद

हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। इस मामले की सुनवाई भी आज होगी।

एमपी– एमएलए कोर्ट ने आजम को 10 साल की सजा सुनाई

जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट आज सुनवाई करेगा। रामपुर के डूंगरपुर केस में आजम खान ने एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। 30 मई को रामपुर एमपी– एमएलए कोर्ट ने आजम खान को 10 साल की सजा सुनाई थी। एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा को आजम खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। डूंगरपुर प्रकरण में अबरार नाम के व्यक्ति ने आजम खान, रिटायर सीओ आले हसन खान और ठेकेदार बरकत अली समेत तीन लोगों के खिलाफ अगस्त 2019 को रामपुर के थाना गंज में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता अबरार के मुताबिक दिसंबर 2016 में आजम खान, रिटायर सीओ आले हसन खान और बरकत अली ठेकेदार ने उसके साथ मारपीट की थी। घर में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस मामले में एमपी एमएलए विशेष कोर्ट ने आजम खान को 10 साल और बरकत अली ठेकेदार को 7 साल की सजा सुनाई थी।

जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की मशीन मिलने का मामला : जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के करीबी सालिम और अनवार की निशानदेही पर रामपुर पुलिस ने 19 सितंबर 2022 को जौहर यूनिवर्सिटी से नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन और उसके कटे हुए पार्ट्स बरामद किए थे।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इलाहबाद एग्री कल्चरल इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी से बी बी ए का कोर्स सन 2005 प्रथम सेमेस्टर का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।
सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी पुत्र श्री शेष मणि त्रिपाठी
निवासी - गद्दोपुर, थाना सोरांव जनपद प्रयाग राज
मो नं 7906201788

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्न रेलगाड़ियां अपने पूर्ण निर्धारित समय, दिन, मार्ग, संरचना एवं ठहराव के अनुसार चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 02525/02526 कामाख्या-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष रेलगाड़ी

कामाख्या से गाड़ी संख्या 02525, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 02.08.2024 से 09.08.2024 तक, **आनन्द विहार टर्मिनल से** गाड़ी संख्या 02526, प्रत्येक रविवार, दिनांक : 04.08.2024 से 11.08.2024 तक

गाड़ी सं. 05289/05290 मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन-पुणे जंक्शन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	संचालन का दिन	पूर्व में सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
05289	मुज़फ़्फ़रपुर जं.- पुणे जं.	साप्ताहिक	शनिवार	27.07.2024	03.08.2024 से 31.08.2024
05290	पुणे जं. - मुज़फ़्फ़रपुर जं.	साप्ताहिक	सोमवार	29.07.2024	05.08.2024 से 02.09.2024

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1312/24(AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

अशरफ के साले सद्दाम की संपत्ति होगी कुर्क

बरेली पुलिस प्रयागराज समेत कई जगह लेगी एक्शन, उमेश पाल मर्डर केस में 11 पर दर्ज है गैंगस्टर

बरेली, एजेंसी। बरेली सेंट्रल जेल प्रकरण में अतीक के भाई अशरफ से शूटर मिलवाने के मामले में बरेली पुलिस गैंगस्टर सद्दाम की संपत्तियों को जब्त करेगी। बरेली पुलिस प्रयागराज और दूसरे स्थानों पर अवैध संपत्तियों की जांच कर रही है। तीन माह पहले बरेली के बिथरी चौनपुर थाने में जेल गए सभी 11 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की।

बरेली जेल में अशरफ से मिले थे शूटर

बरेली सेंट्रल जेल में में माफिया अतीक का पूर्व विधायक भाई अशरफ बंद रहा। अशरफ से शूटरों की अवैध मुलाकात सद्दाम कराता था। प्रयागराज में 24 फरवरी 2023 को उमेशपाल की हत्या की गई थी, इस हत्याकांड से 13 दिन पहले यानी 11 फरवरी को शूटर अतीक के भाई अशरफ से मिले थे। यह सभी अशरफ के साले सद्दाम ने मिलवाए थे। इसके बाद बरेली में डीएम और डीआईजी ने छापा मारकर जेल में जांच पड़ताल की।

7 मार्च को बरेली में दर्ज हुआ था केस

उमेश पाल हत्याकांड की पटकथा बरेली सेंट्रल जेल में तैयार की गई। 7 मार्च 2023 को बरेली के बिथरी चौनपुर में केस दर्ज किया गया। जिनमें प्रयागराज का अब्दुल समद उर्फ सद्दाम अपने गैंग के सदस्य मो रजा उर्फ लल्ला गद्दी, जेल वार्डन मनोज कुमार गोड, जेल के सिपाही शिव हरी अवस्थी, दयाराम उर्फ नन्हे, मो फरहद खां उर्फ गुड्डू, मोहम्मद सरफुद्दीन, फुरकान नवी खान, राशिद अली, मोहम्मद आरिफ और आतिन जफर के नाम सामने आए थे। बाद में एक लाख के इनामी सद्दाम को बरेली एसटीएफ ने दिल्ली से अरेस्ट किया था।

बदायूं जेल में है सद्दाम : बरेली पुलिस की जांच में आया कि कि अभी तक एक फॉर्च्यूनर गाड़ी सद्दाम की पता चली है।प्रयागराज में प्लॉट भी खरीदे गए हैं। इन जमीनों के कागजात की पुलिस जांच कर रही है। अतीक और अशरफ की हत्या हो चुकी है। अशरफ का साला सद्दाम बदायूं जेल में है। सद्दाम के अलावा गिरोह में 10 सदस्य और शामिल हैं इनमें लल्लागद्दी, प्रॉपर्टी डीलर फरहद उर्फ गुड्डू, फुरकान भी शामिल हैं इनकी भी संपत्तियों की जांच चल रही है।

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5, नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल जज जूनियर डिविजन कक्ष संख्या 8 इलाहाबाद

वाद संख्या - 762 सन 2023
राम अचल

बनाम

1. **शिवसाहब** , 2. **मधुसूदन**, 3. **मनोज** पुत्रगण लक्ष्मी नारायण, 4. **कमलेश कुमार** , 5. **राम कुमार** पुत्रगण हीरा लाल उपरोक्त निवासीगण कनौजा कला सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज , 12.**संतोष कुमार गुप्ता** , 13. **राजेंद्र कुमार गुप्ता** पुत्रगण जोखूलाल गुप्ता 14.**श्रीमती प्रभावती देवी** पत्नी जोखूलाल गुप्ता उपरोक्त निवासीगण जफरपुर उर्फ बाबूगंज तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज 16. **वीरेंद्र कुमार जायसवाल** पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी ग्राम पाली पोस्ट बाबूगंज तहसील फूलपुर प्रयागराज , 17. **मोहम्मद हसन** पुत्र एखलाक निवासी 80 जफरपुर उर्फ बाबूगंज परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज , 18. **महताब आलम** उम्र 45 वर्ष पुत्र मोहम्मद रज्जब निवासी ग्राम जफरपुर उर्फ बाबूगंज परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर, 20. **श्रीमती बेबी यादव** पत्नी पारस नाथ यादव, 21. **श्रीमती राजकली** पत्नी मोहनलाल , 22. **अमित कुमार** पुत्र राजेश कुमार जायसवाल , 24. **तरुण कुमार** पुत्र राजेश जायसवाल, 25. **श्रीमती गायत्री देवी** पत्नी स्व राजेश कुमार जायसवाल , 26. **मानिकचंद्र** पुत्र राम खेलावन समस्त निवासीगण ग्राम कनौजा कला परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज , 27. **हरीश चन्द्र** , 28. **हरी प्रताप** , 29. **विजय बहादुर** 30. **सर्वजीत** पुत्रगण राम अभिलाख , निवासीगण चक हसौना उर्फ चोर करिया सिकंदरा फूलपुर इलाहाबाद , 31. **श्रीमती कमला देवी** गुप्ता पत्नी देवी प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम जफरपुर उर्फ बाबूगंज परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज, 32. **बब्बे लाल**, 33. **सूर्य बहादुर** 34. **जंग बहादुर**, 35. **अमर बहादुर** पुत्रगण स्व. राम आसरे, 36. **श्रीमती शान्ती देवी** पत्नी स्व. राम आसरे निवासीगण ग्राम तिसौरा सिकंदरा तहसील फूलपुर प्रयागराज, 37. **लाल सिंह प्रजापति**, 38. **सुभाष चन्द्र प्रजापति**, 39. **लाल मणि प्रजापति** , 40. **मुन्नू सिंह** , 41. **धीरज राम प्रजापति** पुत्रगण स्व. शम्भूनाथ प्रजापति , 42. **श्रीमती दुखनी** पत्नी शम्भूनाथ निवासीगण ग्राम चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज , 43. **पवन कुमार सिंह** पुत्र अरविंद प्रताप सिंह निवासी ग्राम कहली परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज , 44. **श्रीचन्द्र** , 45. **फूलचन्द्र** , 46. **मूलचन्द्र** पुत्रगण स्व मोहन लाल निवासीगण ग्राम कनौजा खुर्द परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज ।

चूंकि वादीगण ने आपके खिलाफ के लिए वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतदद्वारा आहूत क्या जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अधिवक्ता द्वारा जोकि सम्यक रूपेण अनुदिष्ट है और वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नो के उत्तर देने में समर्थ हैं । 2024 के 08 के 09 दिवस को 10:30 बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसंजाति हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका कि अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय हो।

आपको यह सूचना दी जाती है पूरवर्णित दिवस को आपको उपसंजाति चूंक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकला गया ।

नियत तिथि - **09/08/2024**

न्यायाधीश

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 5220242025 दिनांक : 22.07.2024

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : 5220242025-134 GEM/2024/B/5192135 Dated - 22.07.2024

कार्य का नाम : दो (02) वर्षों के लिए [illegible], प्रयागराज के अनुभाग में सेवा भवनों, अधिकारी के बंगले, कर्मचारी क्वार्टरों के रखरखाव की द्वि-वार्षिक सेवा प्रदान करना । • **अनुमानित लागत (रु में)** : Rs. 1,29,26,975.20 • **अग्रधन राशि (रु में)** : 2,14,630.00 • **निविदा बंद होने की तिथि** : 12.08.2024 को 15:00 बजे • **कार्य समापन की अवधि** : 24 माह • **कार्य की प्रकृति** : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य ।

नोट : (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट https://gem.gov.in पर देखें 1300/24 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

संक्षिप्त

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग पहली तिमाही में तीन गुना होकर 6,404 करोड़ रुपये

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में तीन गुना होकर 6,404 करोड़ रुपये हो गयी। लक्जरी आवास संपत्तियों की मजबूत मांग से यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने गत वित्त वर्ष 2023–24 की पहली (अप्रैल–जून) तिमाही में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची थी। डीएलएफ ने समूचे वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 17,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष 2023–24 में उसने करीब 15,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। कंपनी की नवीनतम निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, अप्रैल–जून तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग में वृद्धि की मुख्य वजह गुरुग्राम के सेक्टर 76/77 में स्थित लक्जरी परियोजना 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट' रही जिसमें 5,600 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। डीएलएफ ने बृहस्पतिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 527 करोड़ रुपये था। अप्रैल–जून अवधि में कुल आय बढ़कर 1,729.82 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि के यह 1,521.71 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ भारत का अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसका सात दशकों से अधिक का सफल रिकॉर्ड है।

एनवीडिया ने भारतीय पार्टनर्स टाटा कम्युनिकेशंस और जियो को लेटेस्ट चिप्स की डिलीवरी शुरू की

एआई चिप की दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने टाटा कम्युनिकेशंस और जियो प्लेटफॉर्म्स जैसे भारतीय साझेदारों को जीएच200 एआई जैसे अपने नवीनतम चिप्स की आपूर्ति शुरू कर दी है। ये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)–क्लाउड बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। कंपनी द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी ने साझेदारों को उत्पाद वितरित करने शुरु कर दिए है। एनवीडिया के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक विशाल धूपर ने मनीकंट्रोल को बताया, ष्हां, हमारे साझेदारों द्वारा तैनाती जारी है, और हम उन्हें उत्पाद वितरित कर रहे हैं।ष रिपोर्ट की मानें तो टाटा कम्युनिकेशंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.एस. लक्ष्मीनारायणन ने इसकी पुष्टि की और कहा कि कंपनी

को कुछ चिप्स प्राप्त हुए हैं, जिन्हें लगाया जा रहा है। यह बात एनवीडिया द्वारा चिप्स की आपूर्ति में देरी को लेकर चिंता के बीच सामने आई है, क्योंकि जेन्सन हुआंग की कंपनी ने पिछले साल सितंबर में रिलायंस और टाटा समूह की कंपनियों के साथ साझेदारी की घोषणा की थी, ताकि उन्हें एआई–संचालित सुपरकंप्यूटर, एआई क्लाउड और जनरेटिव एआई अनुप्रयोगों को विकसित करने में मदद मिल सके। विशाल धूपर ने बताया कि उनका ध्यान सहयोग, एनवीडिया की प्रौद्योगिकी और एआई उत्पादों के माध्यम से भारत के लिए ष्कठिन समस्याओंष को हल करने पर है। उन्होंने कहा कि कंपनी बाजार हिस्सेदारी के पीछे नहीं भाग रही है, बल्कि उसका ध्यान नए बाजार बनाने पर है, जिससे अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। हम ऐसा करना चाहते हैं, क्योंकि कोई भी इन्हें हल करने के लिए तैयार नहीं था। यह मेरी योग्यता के भीतर था; मैं संसाधन लगा सकता था और खुद को लागू कर सकता था, और मैं जानता हूं कि इसका लोगों और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। मैं बाज़ार बनाता हूँ... मैं उद्योग बनाता हूँ। एक और विचारधारा है, जहाँ लोग तेज़ी से भागते हैं और बाज़ार में हिस्सेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी ऊर्जा दीर्घकालिक समस्याओं, बाजार बनाने और लोगों को लाभ सुनिश्चित करने पर खर्च करना चाहूंगा।

इंडिगो पर अमेरिकी कस्टम विभाग ने लगाया जुर्माना, विमान में देरी से इस्तांबुल में घंटों फंसे यात्री

नई दिल्ली। अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान में देरी के लिए इंडिगो एयरलाइंस पर 5,832.60 डॉलर (488333.27 रुपये) का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने नियत तारीख (गैर–इंटरलाइनेबल टैक्स) के बाद आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान के लिए जुर्माना लगाया है। कंपनी जुर्माने में छूट हासिल करने की कोशिश कर रही है। कंपनी ने गुरुवार को एक नियामकीय फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि इसके वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर इसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ा। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर गुरुवार को बीएसई पर 1.22 फीसदी की तेजी के साथ 4,430.50 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। इंडिगो को अमेरिकी प्राधिकरण से जुर्माने के बारे में 24 जुलाई को सूचना मिली थी

इस्तांबुल में फंसे इंडिगो के 200 यात्री

एक अलग घटनाक्रम में, गुरुवार (25 जुलाई) को एयरलाइन को 200 यात्रियों को इस्तांबुल हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने इसकी ऑनलाइन आलोचना की। दरअसल, दिल्ली के लिए इंडिगो की उड़ान को 12 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था। विमान में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को देर तक इंतजार करना पड़ा। देरी से चल रही उड़ान 6ई 12 के एक यात्री हृदय मदान ने एक्स पर एक पोस्ट में अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, इंडिगो एयरलाइंस की बिल्कुल दयनीय सेवा।

आईपीएल में हार्दिक-रोहित कप्तानी विवाद पर जसप्रीत बुमराह ने तोड़ी चुप्पी, जानें क्या कहा ?

मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी की काफी आलोचना भी हुई। हालांकि, हार्दिक ने जैसे ही भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाई, चीजें पूरी तरह से बदल गई और हाल ही में इसी को लेकर टीम इंडिया के बेहतरी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इसी को लेकर बयान दिया है।

आईपीएल 2024 कई मायनों में बेहद रोमांचक रहा था। इस सीजन में सबसे ज्यादा मुंबई इंडियंस की कप्तानी और हार्दिक पंड्या काफी सुर्खियों में रहे। दरअसल, मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया। जिसके बाद फैंस को ये बात बिल्कुल भी नहीं जमीं और रोहित और ड्प के फैंस ने हार्दिक पंड्या को हर स्टेडियम में ट्रोल किया और उनके खिलाफ हूटिंग भी हुई। इतना ही नहीं, मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी की काफी आलोचना भी हुई। हालांकि, हार्दिक ने जैसे ही भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाई, चीजें पूरी तरह से बदल गई और हाल ही में इसी को लेकर टीम इंडिया के बेहतरी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इसी को लेकर बयान दिया है। बुमराह ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी और हार्दिक को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही समय मुश्किल था, लेकिन टीम कठिन समय में हार्दिक का समर्थन कर रही थी। उन्होंने कहा कि, कभी–कभी हम समझते हैं कि हम ऐसे देश में रहते हैं जहां भावनाएं चर्चा का विषय हैं। हम समझते हैं कि फैंस भावुक हो जाते हैं। खिलाड़ी भावुक होते हैं ये इस बात को प्रभावित करता है कि आप भारतीय खिलाड़ी हैं। लेकिन आपके अपने फैंस अच्छा नहीं बोल रहे हैं। आपको इसे चुनौती के तौर पर लेना होगा। आप लोगों को कैसे रोक सकते हैं? अगर आप अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप ऐसे किसी भी मौके को बंद कर देते हैं। ये इतना आसान नहीं है, वे आपके खिलाफ चिल्ला रहे होते हैं। आप इसे सुन सकते हैं। बुमराह ने इंडियन एक्स्प्रेस अड्डा पर कहा कि, लेकिन फिर अंतर आत्मा आपकी मदद करती है। एक टीम के रूप में हम फैंस को प्रोत्साहित नहीं करते हैं। एक टीम के रूप में हम हार्दिक के साथ थे, हम उनसे बात कर रहे थे। उनका परिवार हमेशा वहीं था, कुछ चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। जब हमने वर्ल्ड कप जीता तो ये कहानी भी बदल गई। आप इसे गंभीरता से नहीं ले सकते। अब जब लोग आपकी तारीफ कर रहे हैं, तो ये सब कुछ या अंत नहीं है। जब हम एक मैच हारते हैं, तो कहानी फिर बदल सकती है। क्योंकि हम एक ऐसा खेल खेलते हैं जो इतना लोकप्रिय है, हर खिलाड़ी को इस सब से गुजरना पड़ता है।

सूर्यकुमार यादव का बयान, कहा- मुझे नेतृत्व करना अच्छा लगता है

अलग-अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने मैदान पर नेतृत्व करने का पूरा लुत्फ उठाया है तथा पिछले कई वर्षों में अलग–अलग कप्तानों की अगुवाई में खेलते हुए उन्होंने काफी कुछ सीखा है। भारतीय टीम के विश्व चौंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा ने सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

भारतीय टी20 टीम के नवनियुक्त कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने मैदान पर नेतृत्व करने का पूरा लुत्फ उठाया है तथा पिछले कई वर्षों में अलग–अलग कप्तानों की अगुवाई में खेलते हुए उन्होंने काफी कुछ सीखा है। भारतीय टीम के विश्व चौंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा ने सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उनकी जगह सूर्यकुमार को कप्तान ने किया गया। उन्हें हार्दिक पंड्या पर प्राथमिकता दी गई जिन्हें पहले टी20 टीम की कप्तानी का दावेदार माना जा रहा था। सूर्यकुमार कप्तान के रूप में अपनी शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला से करेंगे। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने बीसीसीआई टीवी से कहां,''भले ही मैं कप्तान नहीं था लेकिन मैंने हमेशा मैदान पर नेतृत्वकर्ता की भूमिका का लुत्फ उठाया है। मैंने हमेशा अलग–अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा है। यह अच्छा एहसास और बड़ी जिम्मेदारी है।''

स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह चमकी, बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर भारत एशिया कप के फाइनल में

दाम्बुला। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने शुरूआती ओवरों में तीन विकेट चटकाकर बांग्लादेश की पारी को झकझोरा तो वहीं सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने ताबड़तोड़ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर महिला टी20 एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट की शानदार जीत दिलायी। भारत ने बांग्लादेश को आठ विकेट पर 80 रन पर रोकने के बाद 11 ओवर में बिना किसी नुकसान के 83 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। मंधाना ने 39 गेंद में नौ चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 55 और शेफाली वर्मा ने 28 गेंद में दो चौके की मदद से नाबाद 26 रन का योगदान दिया। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत को 54 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। भारतीय टीम के सामने रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

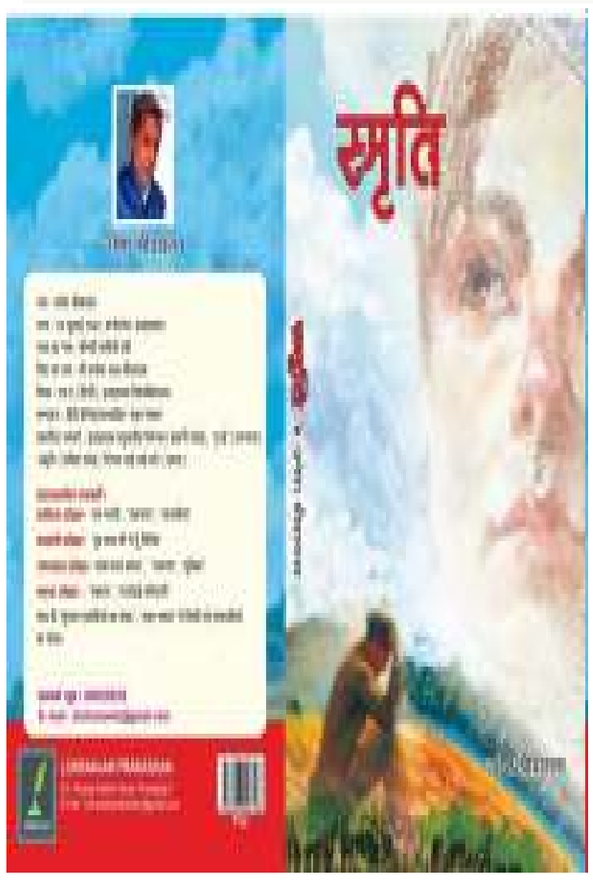

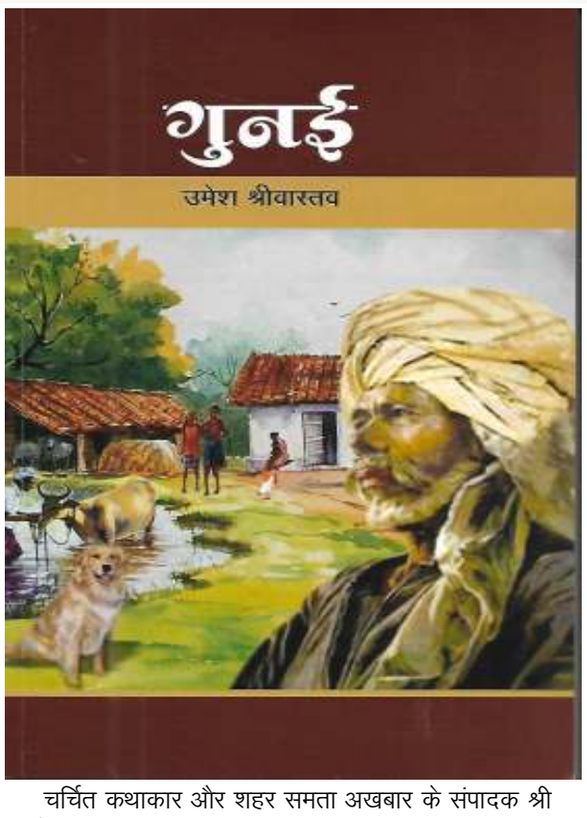

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

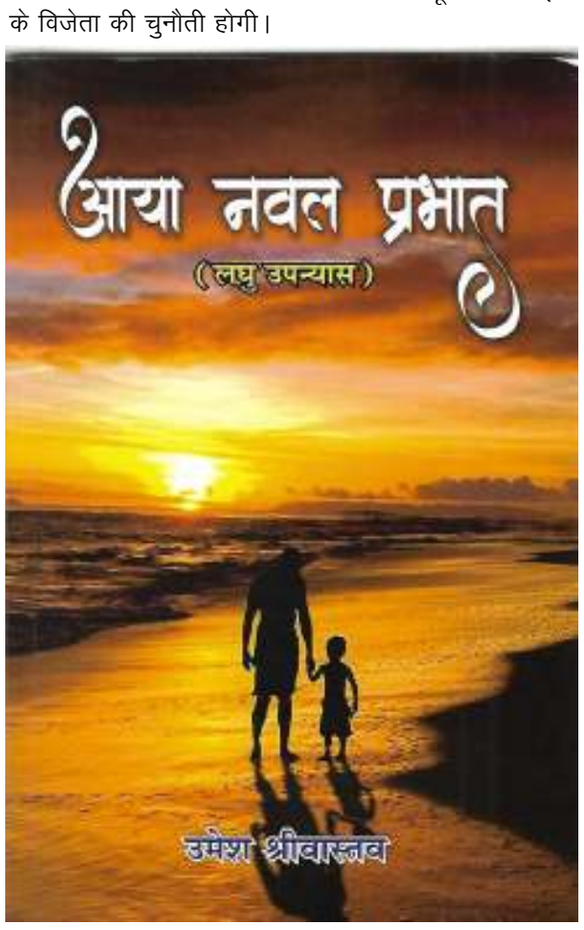

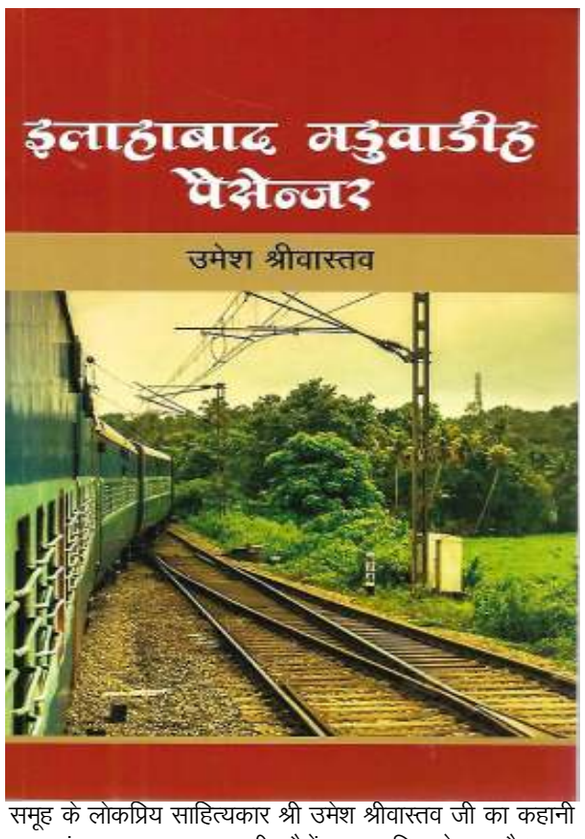

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

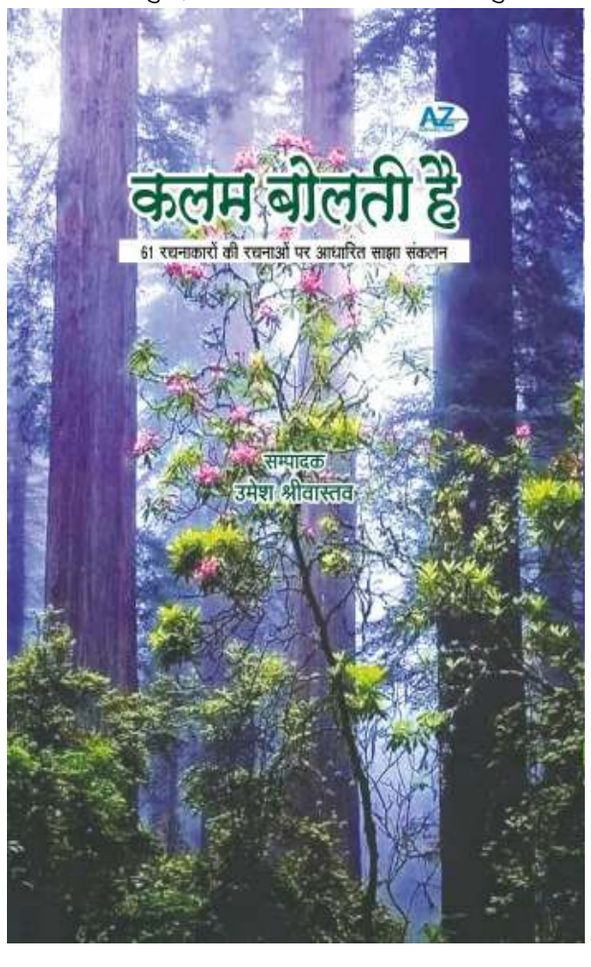

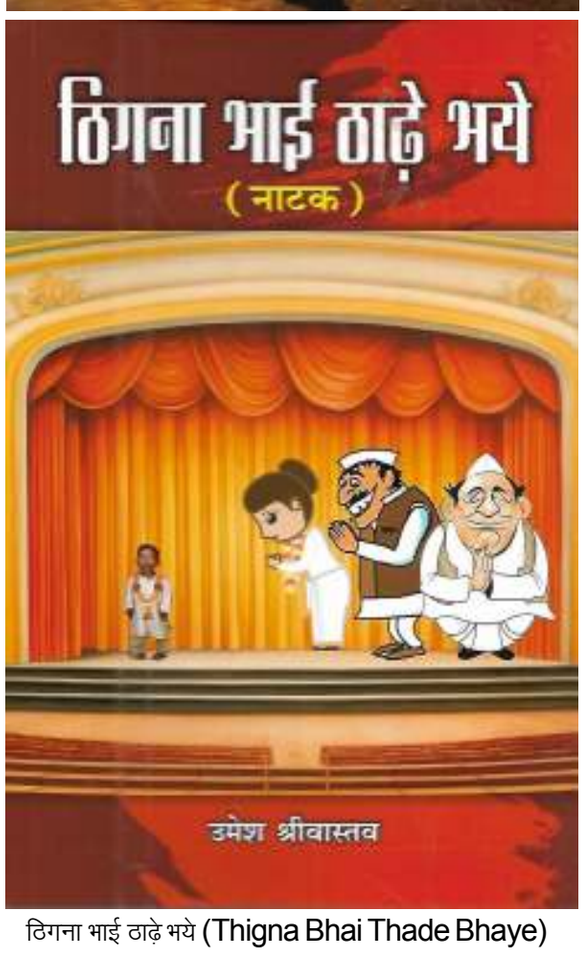

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

सम्पादकीय.....

'नीट' अब क्लीन

नीट परीक्षाओं को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर–तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी–नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतरू संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं। बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। निस्संदेह, गाहे–बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनरू परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, इस मामले में सीबीआई द्वारा तत्परता से की गई कार्रवाई और संदिग्धों की गिरफ्तारी उन लोगों में भय पैदा करेगी, जो लंबे अर्से से परीक्षा लीक के काले धंधे में धंसे हुए थे। जाहिर है कि शासन–प्रशासन की सक्रियता, सख्ती व समय रहते कार्रवाई किसी भी क्षेत्र में शुचिता स्थापित करने में सहायक हो सकती है।

राजनैतिक हथियार बनता केन्द्रीय बजट

एजेंसी

चंद्रबाबू नायडू ने जिस विशेष राज्य का दर्जा न मिलने के कारण 2018 में भाजपा का साथ छोड़कर नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस को टा–टा कर दिया था, इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में फिर से उसका दामन थामा था।

केजरीवाल के खिलाफ मुकदमों के नतीजे पर टिका आप का राजनीतिक भविष्य2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिका बुधवार को लोकसभा में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024–25 का बजट जहां एक ओर देश के मुठ्ठी भर लोगों को खुशी और ज्यादातर वर्गों के लिये निराशा लेकर आया है, वैसे ही गिनती के राज्यों को खुश करने वाला जबकि अधिकतर को नाखुश करने वाला साबित हुआ है। सरकार बनाने में मददगार रहे दो राज्यों– बिहार और आंध्रप्रदेश की झोलियों को जिस तरह से केन्द्र सरकार ने भरा है, उससे अनेक राज्यों का मायूस होना स्वाभाविक है। इस बजट में जिस प्रकार से सरकार ने भेदभाव बरता है उससे राज्यों में फूट पड़ने की आशंका हैय और उसका सबसे बुरा पहलू यह है कि वह देश की संघीय व्यवस्था पर गहरी चोट है। पिछले 10 वर्षों से देश पर शासन कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मुख्य सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने अनेक कृत्यों से जिस तरह भारत के संघीय ढांचे की नींव को हिलाकर रख दिया है, उसी श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में इस बजट को देखा जाना चाहिये। इसका सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यदि बजट का इस्तेमाल कर राज्यों का राजनैतिक समर्थन जुटाने की परम्परा चल पड़ी तो केन्द्रीय राजस्व का बंटवारा अलग–अलग राज्यों की जरूरतों के आधार पर नहीं बल्कि सियासी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये किया जाने लगेगा। यह व्यवस्था वंचित रह गये राज्यों में असंतोष को जन्म देगा। उल्लेखनीय है कि आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) के 16 और बिहार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के 12 सांसदों (लोकसभा सदस्य) के बल पर मोदी सरकार टिकी हुई है। पहले से ही अंदेशा था कि अपने समर्थन के एवज में इन दोनों ही पार्टियों के नेता, क्रमशरू चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार (अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्री) केंद्र की बांहें मरोड़कर कीमत वसूल करेंगे। इन दोनों नेताओं की अपने–अपने प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग रही है। मांग तो ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की भी थी लेकिन वहां अब भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बन गयी है इसलिये वह मसला कम से कम वहां तो खत्म हो गया है। इस बजट में टीडीपी और जेडीयू के प्रति केन्द्र का खास अनुराग झलका है। चंद्रबाबू नायडू ने जिस विशेष राज्य का दर्जा न मिलने के कारण 2018 में भाजपा का साथ छोड़कर नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस को टा–टा कर दिया था, इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में फिर से उसका दामन थामा था। तभी से नायडू की मांग थी कि आंध्रप्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य के बन जाने से उन्हें अपनी राजधानी बनाने की जरूरत है। इसके लिये 15000 करोड़ रुपये उन्हें दिये गये। उनका खुश होना स्वाभाविक है। दूसरी खुशी नीतीश बाबू को मिली है। चुनाव के ऐन पहले विपक्षी गठबन्धन इंडिया को छोड़कर एनडीए में 17 महीने बाद वापसी करने वाले नीतीश कुमार को भी पुरस्कार मिला है– 59 हजार करोड़ रुपए का। इसका बड़ा हिस्सा बिहार में आने वाली बाढ़ पर नियंत्रण करने सम्बन्धी उपायों पर खर्च होंगे। हालांकि इसकी हवा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव (सांसद) ने यह कहकर निकाल दी है कि जब तक नेपाल और उप्र से बिहार को जाने वाली नदियों की बाढ़ को नियंत्रित नहीं किया जाता, तब तक बिहार की नदियों की बाढ़ को नियंत्रित कर पाना असम्भव है। जिस तरह से चंद्रबाबू अब विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज की बात भूल गये हैं, वैसे ही नीतीश कुमार भी इससे इतने गदगद हैं कि वे पत्रकारों से कह रहे हैं कि, श्वे तो पहले से कह रहे थे कि उन्हें या तो विशेष राज्य का दर्जा मिले या विशेष पैकेज।केन्द्र ने यह राशि तो दे ही दी है। हालांकि वे भूल रहे हैं कि इससे बड़ी राशि का ऐलान तो मोदी राज्य की अपनी प्रचार सभाओं में करते रहे थे। बहरहाल, यह भी सच है कि यह राशि राज्य द्वारा केन्द्र की देखरेख और निर्देश पर ही खर्च करनी होगी। जो भी हो, यह आवंटन नीतीश को अपना चेहरा छिपाने और इंडिया छोड़कर एनडीए में शामिल होने के फैसले को सही ठहराने के लिये काफी है। केन्द्रीय बजट एक साझा सम्पत्ति होती है जिसके जरिये पूंजी का वितरण भेदभाव से रहित होना चाहिये। उसका पैमाना इस आधार पर नहीं होना चाहिये कि कौन से राज्यों में अपनी पार्टी की सरकार है या सहयोगी दलों की है या फिर विरोधी दलों की है अथवा किससे समर्थन मिलेगा या किससे नहीं मिलेगा। सेन्ट्रल पूल का पैसा अलग–अलग राज्यों से आता है और वह पूरे देश के सम्मिलित पुरुषार्थ का परिणाम होता है। राज्यों की जरूरतों के आधार पर वह राज्यों को दिया जाता है। इस पक्षपात से न केवल विरोधी पार्टी की सरकारों वाले प्रदेशों में असंतोष फैलेगा बल्कि केन्द्र के साथ उनकी एकजुटता में भी कमी आयेगी। यह देश की एकता के लिये घातक होगा। इस भेदभावपूर्ण बजट की पहली प्रतिक्रियास्वरूप यह सामने आया है कि 27 जुलाई को आयोजित नीति आयोग की बैठक का चार राज्यों ने बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है।तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, तेलंगाना के. रेवंत रेड्डी, कर्नाटक के सिद्धारमैया और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू बैठक में नहीं जायेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी जायेंगी लेकिन वे सवाल पूछने की तैयारी से जा रही हैं। बजट से राजनैतिक हितों को साधने का खेल संघवाद और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है। यह इसलिये बहुत घातक है कि यदि इसे परम्परा बना दिया गया तो बजट एक राजनैतिक हथियार बन जायेगा।

केन्द्रीय बजट 2024–25 में राष्ट्रीय संसाधनों का जबरदस्त दुरुपयोग

के रवींद्रन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में अपने बजट पटल बड़े आत्मविश्वास के साथ आईं, जो यह एक प्रतीकात्मक इशारा था कि वह वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए एक परिवर्तनकारी संघीय बजट के रूप में लोगों द्वारा प्रत्याशित प्रावधानों के साथ आई हैं। फिर भी, 23 जुलाई को राष्ट्र के सामने जो कुछ सामने आया, वह कोई पारंपरिक आर्थिक खाका नहीं था, बल्कि एक नाजुक गठबंधन बजट था, जिसे अलग–अलग राजनीतिक गठबंधनों को खुश करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था। अल्पमत के जनादेश के साथ शासन करने की अनिवार्यताओं को दर्शाते हुए एक रणनीतिक पैंतरेबाजी में सीतारमण ने एक ऐसा दस्तावेज पेश किया जिसे राजनीतिक बजट कहा जा सकता है, एक ऐसा दस्तावेज जो आर्थिक प्रबंधन की पारंपरिक अनिवार्यताओं की तुलना में गठबंधन राजनीति की अनिवार्यताओं के लिए अधिक अनुकूल है। फिर सबसे दुखद बात यह कि उन्हें इस बात पर भी शर्मिंदगी महसूस नहीं हुई कि उनके खेल कौशल को बजट बनाने के अन्यथा गंभीर कार्य के लिए स्पष्ट विचलन के रूप में देखा जायेगा। बिहार और आंध्र प्रदेश की क्षेत्रीय शक्तियों द्वारा समर्थित अल्पमत भाजपा सरकार की पृष्ठभूमि के आलोक में बजट की रूपरेखा में समझौते और समायोजन के अमिट निशान थे, जहां संख्याएं अक्सर सिद्धांतों या विवेक से अधिक नीति निर्धारित करती हैं। मुद्रास्फीति को रोकने के लिए अपेक्षित उपायों की चूक ने व्यापक आर्थिक स्थिरता को खतरे में डाले बिना क्षेत्रीय सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए आवश्यक नाजुक संतुलन को रेखांकित किया– एक चतुर आर्थिक जाल–बट्टा, जो समकालीन भारत में गठबंधन शासन की पेचीदगियों को दर्शाता है। सीतारमण के संबोधन का मुख्यबिंदु रोजगार सृजन पर जोर था, जो एक चिरस्थायी चिंता रही है, जो आर्थिक झटकों से और बढ़ गई है। भाजपा की चुनावी असफलताओं के बाद पार्टी के चुनाव–पश्चात विचार–विमर्श में यह तथ्य सामने आया। फिर भी, सरकार की रोजगार सृजन के प्रति व्यापक प्रतिबद्धता के बावजूद ठोस, लक्ष्य–विशिष्ट प्रस्तावों की अनुपस्थिति स्पष्ट थी। रोजगार सृजन के लिए एक मजबूत रोडमैप की अनुपस्थिति और अल्प–रोजगार और बेरोजगारी से जूझ रहे लाखों लोगों के लिए बुलंद बयानबाजी को मूर्त परिणामों में बदलने में सक्षम ठोस उपायों की कमी इतनी स्पष्ट थी कि इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता था। बजट का विशुद्ध रूप से आर्थिक गणना के बजाय राजनीतिक गणना की ओर झुकाव क्षेत्रीय भागीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई राजकोषीय प्राथमिकताओं के परस्पर क्रिया द्वारा रेखांकित किया गया था। सत्ता पर भाजपा की कमजोर पकड़ के लिए महत्वपूर्ण नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू बजटीय विचार–विमर्श में प्रमुखता से उभरे, उनकी रणनीतिक अनिवार्यताएं अक्सर आर्थिक विवेक की सार्वभौमिक मांगों पर भारी पड़ीं। संसाधन आवंटन की रूपरेखा इन क्षेत्रीय क्षत्रपों की छाप को दर्शाती है, जो कि अनियंत्रित आर्थिक प्रबंधन के आदर्शवाद पर गठबंधन शासन की व्यावहारिक आवश्यकताओं के भारी पड़ने को सामने रखती है। समावेशी विकास के प्रति सीतारमण के प्रस्ताव राजनीतिक सुविधा की अनिवार्यताओं के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, फिर भी इस कथित प्रतिबद्धता को प्रभावित करने वाले अंतर्निहित विरोधाभासों को सामने लाते हैं। मुद्रास्फीति को रोकने के लिए ठोस उपायों की अनुपस्थिति– जो कि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे आम आदमी के लिए एक मुख्य डर है– राजनीति और अर्थशास्त्र के बीच असंगत तालमेल को ही रेखांकित करती है। इसने अल्पकालिक राजनीतिक अनिवार्यताओं और स्थायी आर्थिक प्रबंधन की मांगों के बीच तनाव को उजागर किया– एक विसंगति जिसने राजकोषीय विवेक के मामलों में सरकार की व्यापक विश्वसनीयता को कमजोर करने के साथ–साथ केंद्रीय बजट के निर्माण में संवैधानिक औचित्य के निर्देशों को कमजोर करने का खतरा उत्पन्न कर दिया है। निर्मला सीतारमण का 2024–25 का बजट आलोचना और निराशा का तूफान खड़ा करने के लिए बाध्य है, खासकर उन राज्यों से जो पारंपरिक रूप से सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मतभेद रखते हैं। भारत के बजटीय आवंटनों में आमतौर पर निहित संघवादी लोकाचार से हटकर, उनका राजकोषीय खाका संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को बाधित करता हुआ दिखाई दिया, जिससे केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे विपक्ष शासित राज्यों को महत्वपूर्ण आवंटनों से स्पष्ट रूप से वंचित रहना पड़ा। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के लिए किसी भी सार्थक स्वीकृति या आवंटन की अनुपस्थिति ने भारत के संवैधानिक ढांचे में निहित संघवादी सिद्धांतों से एक स्पष्ट प्रस्थान को रेखांकित किया। ऐतिहासिक रूप से, भारत की बजटीय प्रक्रिया ने सहकारी संघवाद के सिद्धांत का पालन करते हुए, राजनीतिक संबद्धता के बावजूद, विभिन्न राज्यों की राजकोषीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को संतुलित करने का प्रयास किया है। हालांकि, सीतारमण की बजटीय रणनीति गठबंधन सहयोगियों को खुश करने की ओर निर्णायक रूप से झुकी हुई दिखाई दी। विपक्ष शासित राज्यों के लिए, बजट का हाशिए पर होना केवल राजकोषीय उपेक्षा से कहीं अधिक था। यह एक प्रणालीगत ढंग से वंचित करने और संघीय ढांचे की विशेषता वाली विविध आर्थिक अनिवार्यताओं के प्रति उपेक्षा का प्रतीक था। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्य, जो अपने मजबूत आर्थिक योगदान और विशिष्ट विकासात्मक चुनौतियों के लिए जाने जाते थे, खुद को हाशिये पर पाते हैं। राजकोषीय चर्चा में, उनकी तत्काल जरूरतें गठबंधन राजनीति की अनिवार्यताओं के सामने दब गईं। सामाजिक कल्याण और मानव विकास सूचकांकों पर जोर देने के लिए मशहूर केरल में बजट की उपेक्षा ने गहरी छाप छोड़ी। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए लक्षित आवंटन की अनुपस्थिति ने केंद्र की राजकोषीय प्राथमिकताओं और जमीनी हकीकतों के बीच एक अलगाव को रेखांकित किया। पर्यटन और प्रेषण जैसे क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर अर्थव्यवस्था के साथ, केरल को पर्याप्त बजटीय प्रावधानों से बाहर रखा जाना उभरती वैश्विक चुनौतियों के सामने लचीलापन बढ़ाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के एक चूके हुए अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। इसी तरह, तमिलनाडु ने भी अपने दुर्जेय औद्योगिक आधार और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान के साथ–खुद को हाशिए पर पाया। राज्य की विकास संबंधी आकांक्षाएं, विशेष रूप से विनिर्माण, कृषि और शहरी बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में, कहीं और राजनीतिक समायोजन की जरूरतों के कारण हाशिए पर चली गईं। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने और कृषि लचीलापन बढ़ाने के लिए लक्षित निवेश की कमी ने एक अदूरदर्शी राजकोषीय दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसने दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दी। कर्नाटक, एक अन्य राज्य जो एक विपक्षी दल द्वारा शासित है, में असंतोष की प्रतिध्वनियां स्पष्ट थीं। एक प्रमुख आर्थिक केंद्र और तकनीकी महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति के बावजूद, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल नवाचार और सतत शहरीकरण के लिए कर्नाटक की आकांक्षाओं को बजटीय चर्चा में जगह नहीं मिली। सीतारमण की बजटीय रणनीति के नतीजे राजकोषीय आवंटन तक ही सीमित नहीं रहकर बहुत आगे तक फैलेंगे तथा वे राज्य शासन के गलियारों में गूंजेंगे, जिससे विपक्षी नेताओं और नीति निर्माताओं के बीच आक्रोश और आशंकाएं पैदा होंगी। विपक्ष शासित राज्यों की कथित उपेक्षा मौजूदा भ्रंशरेख को और गहरा करने तथा क्षेत्रीय शिकायतों को और बढ़ाने का खतरा उत्पन्न करेगी, जो संभावित रूप से भारत के विकास के लिए आवश्यक सहयोगी भावना को कमजोर करती है।

रजिया सुल्तान से राबड़ी देवी तक एक जैसी कहानी

सर्वमित्रा सुरजन

अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भरे सदन में राजद विधायक रेखा देवी के लिए ऐसा कहा। इससे पहले कल नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के सांसद ललन सिंह ने राबड़ी देवी के बारे में कहा कि उन्हें हस्ताक्षर करना तो ढंग से आता नहीं, वो बजट क्या समझेंगी। दिल्ली सल्तनत पर 1236 से 1240 के बीच शासन करने वाली रजिया सुल्तान के लिए कहा जाता था कि उनमें सारी खूबियां थीं, सिवाए एक के, कि वह महिला थी। हिंदुस्तान 1236 से 2024 में आ गया, लेकिन महिलाओं के लिए हिकारत भरी सोच अब भी वैसी ही है। क्या फर्क पड़ता है कि इस देश में एक महिला प्रधानमंत्री हो चुकी हैं, अभी एक महिला राष्ट्रपति हैं, इससे पहले भी एक महिला राष्ट्रपति हो चुकी हैं। अंतरिक्ष से लेकर सेना, पुलिस, चिकित्सा, न्याय क्षेत्र, पत्रकारिता, उद्योग हर जगह महिलाएं अपनी काबिलियत का लोहा मनवाती रही हैं। लेकिन इस बात का हवाला देकर यह कहना कि देश में महिला सशक्तिकरण हो रहा है और महिलाओं को अब बराबरी का दर्जा मिलने लगा है, खुद को छलावे में रखने से अधिक और कुछ नहीं है। अगर महिलाएं अपने लिए बनाए दायरों से निकल कर बाहर आ रही हैं और उनके लिए असंभव, अछूते समझे जाने वाले क्षेत्रों में भी काम कर रही हैं, तो इसके पीछे या तो उनकी कोई मजबूरी होती है या परिवार का अभूतपूर्व सहयोग और प्रगतिशील सोच का असर होता है। इसका अर्थ ये बिल्कुल नहीं है कि देश में महिलाओं के लिए सोच बदल चुकी है। मानसिकता में अब भी लैंगिक भेदभाव कूट–कूट कर भरा हुआ है, जिसके उदाहरण उपरोक्त बयानों से समझे जा सकते हैं। देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सात बार बजट पेश करके रिकार्ड बना लिया है। उनके बजट का सटीक और तार्किक विश्लेषण करने वालों में कई महिलाएं भी शामिल होंगी, जिन्हें अर्थशास्त्र की गहरी समझ होगी। लेकिन क्या इसका यह अर्थ है कि राबड़ी देवी को इस बारे में बोलने का कोई हक नहीं है, क्योंकि ललन सिंह के हिसाब से उन्हें हस्ताक्षर करने ठीक से नहीं आते तो वे बजट पर भी नहीं बोल सकती। क्या ललन सिंह नरेन्द्र मोदी के बारे में भी ऐसी ही बात कह सकते हैं, क्योंकि श्री मोदी हस्ताक्षर अच्छे से कर लें, लेकिन अर्थशास्त्र के ज्ञाता तो वे नहीं हैं। उनकी डिग्री भी एंटायर पॉलिटिकल साइंस की है, अर्थशास्त्र की नहीं है। फिर भी वे शिक्षकों से लेकर वैज्ञानिकों, बुनकरों से लेकर उद्योगपतियों सबको समझाइश देते रहते हैं। राबड़ी देवी को और देश के तमाम नागरिकों को बजट पर बोलने का उतना ही हक है जितना ललन सिंह या नरेन्द्र मोदी को है। क्योंकि बजट देश के आम नागरिकों के लिए बनता है और उनके ही धन से बनता है, इसलिए अपने विचार रखने का अधिकार भी है। ललन सिंह को अगर राबड़ी देवी के विचारों को खारिज करना ही था तो अपने तर्क सामने रखते। लेकिन उनका पौरुषवादी अहंकार यहां आड़े आ गया कि एक महिला, जो उनके हिसाब से पर्याप्त शिक्षित भी नहीं है और ऊपर से पूर्व मुख्यमंत्री, चार बार की विधायक और विधानपरिषद की सदस्य हैं, वो कैसे बजट पर अपनी राय दे सकती हैं। कुछ ऐसी ही तकलीफ नीतीश कुमार को भी हो गई, जब राजद विधायक रेखा देवी को उन्होंने केवल इसलिए चुप कराना चाहा, क्योंकि वे एक महिला हैं। जाति जनगणना के मुद्दे पर रेखा देवी अपनी बात रख रही थीं और नीतीश कुमार को बोलने नहीं दे रही थीं, तो गुस्से में आकर नीतीश कुमार ने कहा कि बोल रही हो, फालतू बात। इन लोगों ने किसी महिला को आगे बढ़ाया है क्या? पांचवीं के बाद मैंने महिलाओं को पढ़ाया है। इसलिए कह रहे हैं, चुपचाप सुनो। लेकिन नीतीश कुमार इस बात को भूल गए कि रेखा देवी को मसौढ़ी की जनता ने विधानसभा में इसलिए नहीं भेजा कि वो चुपचाप सरकार की बात सुनती रहें, बल्कि जनता की ओर से आवाज उठाएं इसलिए भेजा है। नीतीश कुमार यहां महिला होने के नाम पर रेखा देवी को चुप कराने लगे और ये भूल गए कि वे खुद जनता की आवाज दबा रहे हैं। अगर जदयू अभी इंडिया गठबंधन का साथी होता तो राष्ट्रीय महिला आयोग के स्वतरू संज्ञान लिए नोटिस नीतीश कुमार और ललन सिंह को पहुंच जाते। लेकिन जदयू के कारण भाजपा की सरकार सत्ता में बनी हुई है, तो एक तरह से जदयू को भी महिलाओं के अपमान की खुली छूट मिल ही गई है। याद कीजिए कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाणी और विचार महिलाओं के लिए किस तरह के रहे हैं। राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की मुंबई की रैली में शक्ति शब्द का जिक्र भाजपा को घेरने के लिए किया तो नरेन्द्र मोदी ने इसे मातृ शक्ति से जोड़ कर कहा कि मैं आखिरी सांस तक शक्ति के सम्मान के लिए लड़ूंगा। लेकिन इसी चुनाव में मंगलसूत्र बेचने से लेकर विपक्षी दलों के मुजरा करने की बात कहकर उन्होंने साबित कर दिया कि उनकी नजर में महिलाओं का ओहदा क्या है। सोनिया गांधी के लिए श्री मोदी कांग्रेस की विधवा और सुनंदा पुष्कर के लिए पचास लाख की गर्लफ्रेंड जैसी ओछी टिप्पणी कर ही चुके हैं। प.बंगाल जाकर संदेशखोली की महिलाओं के दर्द का जिक्र करने वाले नरेन्द्र मोदी आज तक मणिपुर नहीं गए, न ही वहां की पीड़ित महिलाओं की कोई सुध उन्होंने ली। महिला पहलवानों को भी उन्होंने उनके हाल पर छोड़ दिया है कि वे अपने इंसाफ की लड़ाई खुद लड़ें। दरअसल नरेन्द्र मोदी, नीतीश कुमार, ललन सिंह ये केवल चेहरा और नाम हैं, इनके बयानों और विचारों में समाज की असलियत का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है। जिसमें ऊपरी तौर पर बात महिला बराबरी और सम्मान की होती है, लेकिन भीतर ही भीतर एक सड़ी–गली सोच पसरी हुई है, जिसमें महिला को किसी भी हद तक जाकर प्रताड़ित किया जा सकता है। फिर चाहे वह सरेआम निर्वस्त्र कर के जुलूस निकालना हो या जिंदा गाड़ना हो। सलीम–अनारकली की काल्पनिक कहानी में यह बताया गया है कि शहंशाह अकबर ने हुकूमत की खातिर अनारकली को दीवार में जिंदा चुनवा दिया। फिल्म मुगले आजम में इसका प्रभावशाली चित्रण है, फिल्म में दिखाया गया है कि दीवार के दूसरी ओर से अनारकली को निकाल लिया जाता है, यानी यहां अकबर का उदार रूप दिखा दिया गया। फिल्म है, तो उसमें कल्पनाओं का खेल किया जा सकता है। लेकिन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने शासन में दो महिलाओं को जिंदा दफनाने की कोशिश पर क्या कहेंगे, किस तरह अपना उदारवादी चेहरा, लाड़ली बहनों के काबिल भाई का चेहरा प्रस्तुत कर पाएंगे।

रीवा जिले में ममता और आशा पांडेय नाम की दो महिलाओं को जमीन विवाद के कारण दबंगों ने जमीन में जिंदा दफना ही दिया था, क्योंकि इन दोनों देवरानी–जेठानी ने उनकी जमीन से होकर गुजरने वाली सड़क का विरोध किया। घर में कोई पुरुष मौजूद नहीं था और इन दोनों ने विरोध करने का साहस दिखाया तो पुरुषों ने भी अपनी ताकत दोनों को जमीन में गाड़ने में दिखा

अक्षय कुमार ने किया चौंकाने वाला खुलासा, 'धोखाधड़ी' के हो चुके हैं शिकार, कहा- 'चुप रह जाता हूं'

> अक्षय कुमार ने बिजनेसवुमन गजल अलघ से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिंदगी में कई बार ऐसे मौके आए जब वो ठगे गए और उन्हें इससे काफी हताशा और निराशा भी हुई। काम के बाद पेमेंट न मिलने की भी उन्होंने बात बताई। अक्षय कुमार ने यूट्यूब पर गजल अलघ से बात करते हुए कई खुलासे किए हैं।

बॉलीवुड में हर साल की फिल्में रिलीज होती हैं, जिसमें से कई फिल्में चलती हैं तो कई फिल्में पिट जाती हैं। कई सितारे बैक टू बैक हिट देते हैं तो वहीं के नसीब में बैक टू बैक फ्लॉप फिल्में भी आती हैं। अक्षय कुमार भी एक ऐसे एक्टर हैं जो हर साल कई फिल्में लेकर आते हैं। बीता साल एक्टर के लिए खासा अच्छा नहीं रहा और इस साल की शुरुआत भी काफी लो रही। साल 2024 में अक्षय कुमार अब तक दो फिल्मों के साथ आए। बिग बजट फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' पर्दे पर रिलीज हुई और बुरी तरह पिट गई। इसके चंद महीने बाद ही 'सरफिरा' रिलीज हुई। इस फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा और कहा कि कंटेंट कुमार की वापसी हो गई है, लेकिन फिर भी इस फिल्म को दर्शकों का प्यार नहीं मिला। कमाई के मामले में ये फिल्म भी फिसड्डी साबित हुई और इसी के साथ ही साल 2024 की फिल्मी शुरुआत कुछ खास नहीं रही। अब अक्षय कुमार अपनी तीसरी फिल्म के साथ आ रहे हैं। फिल्मों की रिलीज के बीच ही अक्षय कुमार इनके प्रमोशन्स में भी लग हुए हैं। 'सरफिरा' की रिलीज के बाद भी एक्टर फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं और इसी बीच उन्होंने 'सरफिरी बातें' नाम का एक चौट शो शुरू किया है, जिसमें वो फेमस लोगों के साथ पॉडकास्ट सेशन कर रहे हैं। हाल में ही अक्षय कुमार ने बिजनेसवुमन गजल अलघ से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिंदगी में कई बार ऐसे मौके आए जब वो ठगे गए और उन्हें इससे काफी हताशा और निराशा भी हुई। काम के बाद पेमेंट न मिलने की भी उन्होंने बात बताई। अक्षय कुमार ने यूट्यूब पर गजल अलघ से बात करते हुए कई खुलासे किए हैं। सरफिरी बातें के एक एपिसोड में अक्षय ने बताया कि उन्हें कई बार ठगी का अहसास हुआ। खास तौर पर तब जब उनकी फिल्मों के प्रोड्यूसर काम कराने के बाद पैसे नहीं देते थे। अक्षय कुमार ने ठगा महसूस करने की बात कहते हुए कहा, 'एक दो प्रोड्यूसर की पेमेंट नहीं आती है और यह सीधा धोखा है, ठगी है।' इसी कड़ी में आगे बात करते हुए खिलाड़ी कुमार ने बताया कि वो इन परिस्थितियों से किस तरह डील करते हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति से अलग हो जाते हैं जो उनके साथ धोखा करता है। अक्षय कहते हैं, 'उसके बाद मैं उससे बात ही नहीं करता, चुप हो जाता हूं अपने साइड में निकल जाता हूं।' बता दें, जल्द ही अक्षय कुमार नई फिल्म 'खेल खेल में' में नजर आएंगे। ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में तापसी पन्नु, एमी विर्क, फरदीन खान, वाणी कपूर, आदित्य सील और प्रज्ञा जैसवाल किरदार हैं। इस फिल्म के अलावा अक्षय कुमार की पाइपलाइन में 'सिंघम अगेन', 'वेलकम टू द जंगल', 'हेरा फेरी 3' जैसी कई फिल्में हैं।

गोवा में होने वाले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर बने शेखर कपूर

मशहूर फिल्म निर्देशक शेखर कपूर को गोवा में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफआई) के 55वें और 56वें एडिशन के लिए फेस्टिवल डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दी। बता दें कि आईएफएफआई के 54वें एडिशन का आयोजन पिछले साल 20 से 28 नवंबर के बीच किया गया था। तब के केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस 8 दिवसीय समारोह का उद्घाटन किया था। इस दौरान गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत भी मौजूद रहे। इवेंट की शुरुआत करते हुए एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने फिल्म पुष्पा के सामी–सामी गाने पर परफॉर्म किया था। वहीं माधुरी दीक्षित ने ओरे पिया, घर मोरे परदेसिया, डोला रे और आजा नाच ले जैसे हिट गानों पर डांस किया। वहीं शाहिद कपूर ने भी नगाड़ा, सज–धज के, साड़ी के फॉल सा जैसे सुपरहिट गानों पर डांस कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इवेंट में 270 फिल्मों का प्रसारण हुआ था। पिछले बार के सेलिब्रेशन को देख दर्शक अब इस अपकमिंग इवेंट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। शेखर कपूर की बात करें तो उन्होंने इंडस्ट्री में कई सुपरहिट फिल्में दी। साल 1975 में फिल्म जान हाजिर है से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। वह फूलन देवी की बायोपिक बैंडिट क्वीन बनाने को लेकर चर्चाओं में आए। इसके लिए उन्होंने कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। कान फिल्म फेस्टिवल और एडिनबर्ग फिल्म फेस्टिवल में बैंडिट क्वीन का प्रीमियर किया गया। उन्हें एलिजाबेथ, एलिजाबेथ द गोल्डन एज, द फोर फीदर्स, मासूम, मिस्टर इंडिया और व्हॉट्स लव गॉट टू डू विद इट जैसी फिल्मों के बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अब मासूम के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। इसका टाइटल मासूम...द नेक्स्ट जेनरेशन तय किया गया है। बता दें कि मासूम में लीड एक्टर के तौर पर नसीरुद्दीन शाह ने काम किया था। यह 1983 में रिलीज हुई थी।

हिमेश रेशमिया ने नई फिल्म 'जानम तेरी कसम' का किया एलान, जानें कब होगी रिलीज

सिंगर, म्यूजिक डायरेक्टर और एक्टर हिमेश रेशमिया इंडस्ट्री का एक जाना–माना नाम है। उन्होंने बॉलीवुड में नाम कमाने के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया है। वह उन सितारों में से एक हैं, जिन्होंने सिंगिंग के अलावा एक्टिंग में भी अपना जलवा बिखेरा। उन्होंने 23 जुलाई को अपना 51वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया और देर रात नई फिल्म की घोषणा भी की। हिमेश रेशमिया ने अपनी नई फिल्म 'जानम तेरी कसम' लेकर आ रहे है। सिंगर ने फिल्म के ऐलान के साथ–साथ इसका एक पोस्टर और सॉन्ग टीजर भी जारी किया। इसके अलावा, फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया। यह फिल्म 2025 में दशहरे के मौके पर रिलीज होगी।फिल्म का टाइटल ट्रैक शेयर करते हुए हिमेश ने इंस्टा पर एक और पोस्ट शेयर किया, इस पर रील्स बनाने की अपील की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "'जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है'जानम तेरी कसम' के टाइटल ट्रैक पर अपनी खुद की रील बनाएं'। हिमेश ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, "जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद! 'जानम तेरी कसम' एक दर्दभरी प्रेम कहानी है। राव और सप्रू फिल्म्स के सहयोग से हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित यह फिल्म दशहरा 2025 पर रिलीज होगी। इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू डायरेक्ट करेंगे।सिंगर के करियर की बात करें तो हिमेश रेशमिया ने म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में संगीत दिया, जिसमें 'हेलो ब्रदर', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', 'बंधन' और 'तेरे नाम' शामिल हैं। 'झलक दिखला जा', 'आशिक बनाया आपने', 'आप की कशिश', 'नाम है तेरा तेरा' जैसे कई हिट गानों के जरिए उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। हिमेश ने एक्टिंग में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने साल 2007 में फिल्म 'आप का सुरूर' से बॉलीवुड में एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह फिल्म 'कर्ज' में नजर आए। उन्होंने 'रेडियो', 'कजरारे', 'दमादम', 'द एक्सपॉज', 'तेरा सुरूर', 'खिलाड़ी 786' और 'हैप्पी हार्डी एंड हीर' जैसी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही 'बडास रवि कुमार' और 'जानम तेरी कमस' में नजर आएंगे।

मन्नत मांगने पंचकूला के श्री नाडा साहिब गुरुद्वारा पहुंची शिवांगी जोशी, शेयर की फोटो

शिवांगी जोशी टीवी इंडस्ट्री का जाना–पहचाना नाम है। अपनी शूटिंग शेड्यूल से वक्त निकालकर वह पंचकूला के नाडा साहिब गुरुद्वारा में दर्शन करने पहुंचीं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में फोटो का एक कोलाज शेयर किया।शिवांगी ने कोलाज में गुरुद्वारे की फोटोज और एक सेल्फी शेयर की, जिसमें वह अपने करीबी साथियों के साथ लाल दुपट्टा सिर पर ओढ़े नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, शिवांगी ने 2013 में श्खेलती है जिंदगी आंख मिचोलीश से एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जहां उन्होंने त्रिशा का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने बेइंतहा में आयत हैदर का किरदार निभाया। 2014 में, वह लव बाय चांस में विशी के रूप में दिखाई दीं। लेकिन पहचान विशाल आदित्य सिंह और श्वेता तिवारी के शो बेगूसराय से मिली, जिसमें एक्ट्रेस ने पूनम ठाकुर का रोल अदा किया। इस किरदार के लिए उन्हें फ्रेश न्यू फेस– फीमेल के लिए इंडियन टेली अवार्ड में नॉमिनेशन मिला। 2016 में, वह ये है आशिकी के सीजन 4 में मीरा के किरदार में दिखाई दीं। स्टार प्लस का हिट शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में नायरा सिंघानिया गोयनका का किरदार निभाकर उन्होंने लाखों दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। उनकी केमिस्ट्री को मोहसिन खान के साथ खूब सराहा गया। ये रिश्ता क्या कहलाता है के अलावा प्यार तूने क्या किया में भी दिखाई दीं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने कुशाल टंडन के साथ बरसातें–मौसम प्यार का में काम किया। इसके अलावा, शिवांगी वेब सीरीज जब वी मैच्ड का हिस्सा रही हैं और स्टंट–बेस्ड रियलिटी शो फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 12 में भी नजर आई थीं।

दीपिका पादुकोण ने प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी सेल्फ-केयर रूटीन का खुलासा किया, अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं

दीपिका पादुकोण लंबे समय से चर्चा में हैं। हाल ही में इस दीवा ने अपने मैटरनिटी फैशन से सभी को प्रभावित किया है। वह और रणवीर सिंह एक साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। दीपिका सबसे स्टाइलिश मॉम में से एक रही हैं और उनकी तस्वीरें देखना एक ट्रीट है। हम सभी उनकी खूबसूरती के मुरीद हैं। वह सबसे फिट में से एक रही हैं और उनकी त्वचा भी कमाल की है। सभी लड़कियां निश्चित रूप से साफ और खूबसूरत त्वचा चाहती हैं और उन्हें देखकर हमेशा आश्चर्य करती हैं कि ऐसी स्किन कैसे हो सकती है। तो, दीपिका पादुकोण अब कुछ अद्भुत टिप्स लेकर आई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी स्किन केयर रूटीन शेयर की। उन्होंने बताया कि यह सेल्फ केयर मंथ है और इसलिए, वह अपनी डेली स्किन केयर रूटीन शेयर कर रही हैं। दीपिका पादुकोण ने अपनी सेल्फी में अपनी साफ और चमकदार त्वचा को दिखाया और अपने द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों की तस्वीरें भी शेयर कीं। फिर उन्होंने बताया कि वह कौन से उत्पाद इस्तेमाल करती हैं और उनका इस्तेमाल कैसे करती हैं। उन्होंने लिखा, ष्यह सेल्फ–केयर महीना है! लेकिन श्सेल्फ–केयर महीनाश क्यों मनाया जाए, जब आप हर दिन सेल्फ–केयर के सरल कार्य कर सकते हैं? अब, जब स्किनकेयर की बात आती है, तो निश्चित रूप से सही खाना, अच्छी नींद, पर्याप्त हाइड्रेशन और मूवमेंट स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने के मुख्य स्तंभ हैं, लेकिन एक सरल लेकिन सुसंगत स्किनकेयर रूटीन ने वास्तव में मेरे लिए काम किया है! इसमें 3 सरल चरण शामिल हैंरू क्लींज, हाइड्रेट और सुरक्षा। उन्होंने आगे कहा, ष्फिर, सप्ताह में एक दिन ऐसा होता है जब मैं थोड़ा और करना पसंद करती हूँ... पूरे शरीर की मालिश, फेस मास्क, हेयर मास्क। दीपिका ने आगे उन उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की, जिनका वह नियमित रूप से उपयोग करती हैं। उन्होंने लिखा, ष्मैं उन लोगों के लिए (जो पूछ रहे हैं) रोज़ाना इस्तेमाल किए जाने वाले और इंडल्ग उत्पादों की सूची बना रही हूँरू रोज़ानारू –लोटस स्पलैश (क्लीन्ज़र) –रोज़ बूस्ट (अंडरआई क्रीम) –अश्वगंधा बाउंस (मॉइस्चराइज़र) –टर्मेरिक शील्ड (सनस्क्रीन) –पोमेग्रेनेट शीन (होंठों का तेल) इंडल्गरू –मंजिष्ठा मिट्टी (फेस मास्क) उपरोक्त सभी का लगातार और ध्यानपूर्वक अभ्यास किया। क्योंकि मुझे कोई और तरीका नहीं पता। और जब से मैं याद कर सकती हूँ, तब से यह इसी तरह से चल रहा है...

गंदे से गंदे बर्तन चायपत्ती से होंगे चकाचक साफ, इस तरह से करें इस्तेमाल

ज्यादातर लोग चायपत्ती का इस्तेमाल टेस्टी चाय पीने या फिर खाद के तौर पर किया होगा। वहीं, कई लोग हैं चायपत्ती को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन यह अब कचरा नहीं रहा। इसका इस्तेमाल आप साफ–सफाई में कर सकते हैं। चाय बनाने के बाद आप इसका रियूज कर सकते हैं। इसे आप किचन के सामान की क्लीनिंग के लिए कर सकते हैं।

प्लास्टिक के डिब्बे क्लीन करें

किचन में रखें प्लास्टिक के डिब्बों में चिकनाई लग जाती है, इसे क्लीन करने के लिए आप बची हुए चायपत्ती को प्रायोग कर सकते हैं। डिब्बे साफ करने के लिए सबसे पहले बची हुई चायपत्ती को एक बर्तन पानी में डालकर उबाल लीजिए। इस घोल से डिब्बों को स्पंज की मदद से रगड़कर साफ कर लें।

कांच के बर्तन साफ करें

बची हुई चायपत्ती और लिक्विड डिशवॉश के घोल से आप कांच के बर्तनों के दाग और चिकनाई को हटा सकते हैं। इसके साथ ही घर के कांच भी साफ कर सकते हैं। क्लीनिंग के लिए बर्तनों पर इस घोल को लगाकर साफ कपड़े के मदद से हल्के हाथों से रब करें। फिर इसे आप साफ पानी से धो ले। इससे कांच एक दम चमक जाएगा।

किचन की सिंक करें क्लीन

सिंक की सफाई के लिए आपको एक बर्तन में एक कप में एक चम्मच चाय पत्ती, 2 चम्मच डिटर्जेंट पाउडर या जेल, 2 चम्मच बाथरूम क्लीनर और 2 चम्मच कास्टिक सोडा डालकर उबाल लीजिए। इसे छन्नी से छानने के बाद सिंक के ऊपर अच्छी तक ब्रश की मदद से फैला दीजिए। 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें इसके बाद रगड़कर साफ कर लें।

मानसून के लिए बेस्ट हैं ये सुपरफूड्स, नहीं होने देंगे किसी तरह की इंफेक्शन

मानसून के आगमन के साथ हमारी आहार और सेहत पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस मौसम में स्वस्थ रहने के लिए कुछ विशेष आहार अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, जो हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं और सामान्य बीमारियों से बचाने में सहायक होते हैं।

हल्दी

अपनी एंटी–इन्फ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुणों के लिए जानी जाती है, हल्दी इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करती है और मानसून के दौरान होने वाली संक्रमणों से लड़ने में सहायक होती है।

लहसुन

यह एक और शक्तिशाली इम्यून बूस्टर है जिसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है और श्वासनली स्वास्थ्य को समर्थन प्रदान करता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केला और मेंथी जैसी सब्जियां विटामिन्स, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं। ये इम्यूनिटी को बढ़ाने और जरूरी पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करती हैं।

सीताफल

संक्रमण से लड़ने और इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए ऑरेंज, नींबू और मीठा नींबू जैसे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं।

दही

दही जैसे प्रोबायोटिक–युक्त आहार गुट हेल्थ को बनाए रखने में मदद करता है, जो कि संक्रमण से लड़ने और पाचन को समर्थन प्रदान करने में जरूरी है।

पूरे अनाज

अनाज जैसे ओट्स, जौ और भूरे चावल में एक स्वस्थ आहार में अनिवार्य पोषक तत्व प्राप्त होते हैं, जो की पाचन को समर्थन प्रदान करते हैं।

शहद

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं और गले के दर्द को शांत करने में मदद कर सकते हैं और इम्यूनिटी को बढ़ा सकते हैं।

सूप और ब्रॉथ

सब्जियों, शुद्ध मांस या दाल से बने गरम सूप से हाइड्रेशन, पोषक तत्व और गर्मी प्राप्त कर सकते हैं।

ये सुपरफूड्स आपको मानसून के दौरान स्वस्थ रहने और सामान्य बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं।

धूप की वजह से खो गया है निखार या Wrinkles से हैं परेशान, आलू के फेस पैक से मिलेगा गजब का ग्लो

आलू एक ऐसी सब्जी है, जो हर किसी को पसंद होती है। आलू की न सिर्फ सब्जी बल्कि कई तरह के मीठे और तीखे पकवान भी बनाए जाते हैं। आपको बता दें कि आलू सिर्फ खाने ही नहीं बल्कि खूबसूरती बढ़ाने और रंगत को निखारने के काम आता है। आलू में मिनरल्स, विटामिन्स और एंजाइम्स मौजूद होता है। जोकि स्किन के लिए कई तरीके से लाभकारी होता है। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को आप स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को फेस पर अप्लाई करने से दाग–धब्बे और झुर्रियां कम होती हैं और फेस का निखार भी बढ़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसका इस्तेमाल किस तरह से कर सकते हैं।

दाग–धब्बे दूर करने के लिए

आधे आलू का रस

हल्दी– 2 चुटकी

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में आलू का रस और हल्दी मिला लें।

फिर इस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

करीब 15–20 मिनट तक लगाए रहने के बाद इसको धो दें।

सप्ताह में एक या दो बार इस फेस पैक को लगाएं।

दो सप्ताह में आपको फेस पर फर्क साफ नजर आएगा।

ग्लोइंग स्किन के लिए

आधे आलू का रस

एक अंडे का सफेद हिस्सा

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में अंडे को अच्छे से फेंट लें।

इसके इसमें आलू का रस मिलाएं और फिर फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको अप्लाई करने के बाद फेस को ठंडे पानी से धो लें।

बता दें कि 8–10 दिन में एक बार इस पैक को लगाने से आपका फेस ग्लो करने लगेगा।

रंगत सुधारने के लिए

आलू का रस– 2 टीस्पून

पानी– 2 टीस्पून

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और पानी को मिलाकर इसे फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

जब यह सूख जाए, तो चेहरे को धो लें।

इसको फेस पर अप्लाई करने से उम्र से पहले नजर आने वाली झुर्रियां कम होती हैं।

दमकती त्वचा पाने के लिए

आधे आलू का रस

कच्चा दूध– 1 चम्मच

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और कच्चे दूध को एक बोल में दोनों को मिला लें। फिर कॉटन की मदद से इसको फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको फेस पर लगाए रहने के बाद चेहरा धो दें।

सप्ताह में 2 बार इसको अप्लाई करने पर आपको जल्द ही रिजल्ट देखने को मिलेगा।

पुरानी से पुरानी कब्ज का इलाज, पेट की हर दिक्कत की होगी छुट्टी

यदि आपको कब्ज की समस्या है और आप कुछ नेचुरल तरीके ढूंढ रहे हैं इससे छुटकारा पाने के तो आप कुछ खास जूस के माध्यम से इसे दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। जी हां, ये जूस आपके पेट के लिए काफी फायदेमंद रहेंगे और कई तरह की परेशानियों को दूर कर पाचन को दुरुस्त भी करेंगे। तो चलिए अब जानते हैं इन्हीं कुछ जूस के बारे में –

नींबू पानी

नींबू पानी में विटामिन सी होता है जो पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। इसका अधिक सेवन त्वचा के अन्य लाभों के साथ–साथ पेट की साफता में भी मददगार साबित हो सकता है। नींबू पानी को निम्नलिखित तरीके से बनाया जा सकता है।

– एक बड़े गिलास में गर्म पानी और एक नींबू का रस मिलाएं।

– इसमें एक छोटी सी चमच्च शहद डालें (वैकल्पिक)।

– इसे खाली पेट पीने से पहले या दिन भर में अन्य समय में पी सकते हैं।

अमरूद का रस

अमरूद का रस पाचन को सुधारने में मदद करता है और कब्ज को दूर करने में सहायक होता है। इसकी एक छोटी गिलास में नींबू का रस और थोड़ी मात्रा में काला नमक मिला कर अमरूद का रस तैयार किया जा सकता है।

आलू बुखारा जूस

आलू बुखारा में विटामिन सी और फाइबर होता है जो पेट की साफता में मदद कर सकता है। इसे शहद के साथ मिलाकर या अकेले भी पी सकते हैं।

अनार का रस

अनार का रस भी पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में असरदार हो सकता है। इसका सेवन नियमित रूप से करने से लाभ हो सकता है।

जम्बू का रस

जम्बू में पाए जाने वाले तत्व पाचन को सुधारने में मदद कर सकते हैं और कब्ज को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। जम्बू का रस सुबह के समय खाली पेट पीने से लाभकारी हो सकता है। ये थे कुछ जूस जो कब्ज की समस्या में मददगार हो सकते हैं। लेकिन यदि आपकी समस्या लंबे समय से चल रही है या इन उपायों से लाभ नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेना सही होगा।

सावन सोमवार के व्रत में बना रही हैं साबूदाना खिचड़ी तो मिला लीजिए एक चीज, नहीं चिपकेंगी

सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई से हो गई है। शिव भक्तों के लिए सावन का महीना बेहद खास है। इस दौरान लोग सावन सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत, एकादशी, प्रदोष व्रत और तीज का व्रत रखते हैं। जो लोग व्रत रखते हैं वो फलहारी के लिए साबूदाना की खिचड़ी जरुर बनाते हैं, इसे बनाना तो काफी आसान है, लेकिन इसे खिला–खिला बनाना काफी मुश्किल है। हालांकि, साबूदाना की खिचड़ी काफी टेस्टी होती है, अब यह चाहें चिपचिपी बनी हो या सूखी हो। अगर आप भी खिली–खिली खिचड़ी बनाना चाहते हैं, तो उसे बनाते समय बस एक चीज डाल दें, जिससे खिचड़ी का स्वाद बहुत ही दानेदार खिली–खिली बनेगी।

खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी कैसे बनाएं?

– खिचड़ी बनाने के लिए साबूदाना के बड़े दाने वाले पैकेट खरीदें।

– साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए साबूदाना को भिगो लें।

– साबूदाना को भिगोने से पहले 2–3 बार धो लें, इससे उसका स्टार्च भी धूल जाए।

– इसके बाद साबूदाना में उतना ही पानी डालना जितना साबूदाना हो, नहीं तो साबूदाना ज्यादा पानी सोख लेगा और फिर जब इसे बनाएंगे तो चिपचिपा बनेगा।

– साबूदाना कम पानी को अच्छे से सोख लेगा और गिला नहीं होगा।

खिली–खिली साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए डालें यह एक चीज

–साबूदाना 3–4 घंटे में भीग जाए, तो उसके पानी को छान लें अगर आप उस निथारकर अलग रख दें।

– एक पैन में तेल डालकर गर्म करें और जीरा, राई करी पत्ता डालकर चटकाएं।

– फिर इसमें उबले हुए आलू के बारीक टुकड़े हरी मिर्च और भीगे हुए साबूदाना को डालकर मिक्स करें।

– अब नमक और धनिया डालकर मिक्स करें।

– साबूदाना खिचड़ी को खिली–खिली बनानेके लिए मूंगफली का पाउडर बना लें।

– मूंगफली को पैन में डालकर रोस्ट करें और छिलका उतारकर पीस लें।

– फिर इस पाउडर को खिचड़ी में डालें और अच्छे से मिक्स कर ढक दें।

– दरअसल, मूंगफली में तेल की अच्छी मात्रा होती है, जो साबूदाना में पड़ने के बाद उसमें चिपककर उसे बाकी दोनों से अलग–अलग करती है।

– खिचड़ी को कुछ देर तक ढक कर भाप में पकाएं, ताकि वह कच्चा न रह जाए।

– तैयार है आपकी साबूदाना की खिचड़ी गर्मा–गर्म सर्व करें।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़। बागंज ब्लाक के सत्येंद्र बहादुर सिंह इंटर कॉलेज में आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलिस विद्यालय के शिक्षक आलोक कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि भारत ने 26 जुलाई 1999 में पाकिस्तानी सेना को खदेड़ते हुए करगिल में विजय पताका फहराया था सइसके बाद

से ही हर साल 26 जुलाई के दिन भारत करगिल विजय दिवस मनाता हैस यह दिन उन सैनिकों की बहादुरी को समर्पित है जिन्होंने भारत को जीत दिलाई थी साथ ही यह उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे स शिक्षक ने बताया कि 26 में 1999 से 26 जुलाई 1999 तक 60 दिनों तक यह युद्ध चला जिसमें भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी सैनिकों को कारगिल से भगाया और उसे पर पुनः विजय हासिल कीस इस मौके पर ज्योति प्रजापति मानसी यादव अनामिका दीप्ति साहू काजल सौम्या कृतिका सृष्टि सही तमाम छात्राएं मौजूद रहे।

थाना मानिकपुर पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्ता गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक श्री डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 'थाना मानिकपुर के प्रभारी निरीक्षक जयचन्द्र भारती' मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्रध्तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान, 'मु0नं0 1764/21 अ0सं0 136/90 धारा 467,468,471,419,420 भादवि से संबंधित वारण्टी अभियुक्ता रामकली पत्नी नन्हें निवाली खमसरा भिटहा थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़' को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

'अभियुक्त का विवरण–'

रामकली पत्नी नन्हें निवाली खमसरा भिटहा थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़।

'पुलिस टीम–'

प्रभारी निरीक्षक जयचन्द्र भारती मय हमराह उ0नि0 शिशिर पटेल, का0 घनश्याम प्रसाद, का0 हरेन्द्र सिंह, म0का0 किरन बिन्द, म0का0 पिंकी यादव, चालक हे0का0 संतोष राय थाना मानिकपुर, जनपद प्रतापगढ़।

पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ डा. अनिल कुमार का अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ कड़ा एक्शन

प्रतापगढ़। पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही जारी'

वादी मुकदमा की पुत्री को आरोपी द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने के अभियोग में 01 अभियुक्त गिरफ्तार'

थाना लालगंज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को संगम चौराहा के पास से गिरफ्तार किया गया'

'घटना का विवरण–'

वादी मुकदमा की पुत्री को अरोपी द्वारा बहला फुसलाकर घर से भगा ले जाने के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर दिनांक 18.09.2023 को मु0अ0सं0 364ध्23 धारा 363, 366 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था ।

'पुलिस अधीक्षक श्री डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 'अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सजय राय व क्षेत्राधिकारी लालगंज श्री रामसूरत सोनकर के पर्यवेक्षण प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार यादव' थाना लालगंज के नेतृत्व में 'उ0नि0 कबीरदास' मय हमराह द्वारा तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान, 'मु0अ0सं0 100ध्23 धारा 363, 366 भादवि' से संबंधित मुखबिर की सूचना पर 01 वांछित अभियुक्त 'सुरेश कुमार पुत्र माताबदल निवासी ग्राम गम्भीराबाद बेलहा थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़' को दिनांक 26.07.2024 को थानाक्षेत्र के संगम चौराहा के पास से गिरफ्तार किया गया ।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

1– सुरेश कुमार पुत्र माताबदल निवासी ग्राम गम्भीराबाद बेलहा थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़।

'गिरफ्तारी पुलिस टीम का विवरण–'

उ0नि0 कबीरदास मय हमराह का0 प्रवीण राय थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़।

संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर बैठक आयोजित

प्रयागराज। सी.एम.पी. महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर विभागीय संग्रहालय समिति की एक बैठक प्रो. हर्ष कुमार विभागाध्यक्ष प्राचीन इतिहास

विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. प्रकाश सिन्हा एवम प्रो. अजय प्रकाश खरे प्राचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई ैबैठक में संग्रहालय से संबंधित वार्षिक गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई ैइसी क्रम में विभाग के बौद्धिक उन्नयन प्रकोष्ठ की ओर से प्रो. प्रकाश सिन्हा अध्यक्ष आर्टिफेक्चुल आर्कियोलाजिकल साइंसेज सोसाइटी का एक व्याख्यान ष्क्यूरियोसिटी काजेज एक्सिस्टेंसष शीर्षक पर आयोजित किया गया , जिसमें 50 से अधिक परास्नातक , शोध छात्र उपस्थित रहे ैइस अवसर पर अतिथियों का स्वागत डॉ. अर्चना खरे ,संचालन डॉ. आराधना सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भावना चौहान ने किया ैकार्यक्रम में विभागीय सहयोगी डॉ.कमल कृष्ण राय, डॉ.आलोक कुमार सिंह, डॉ. मयंक विश्वकर्मा, डॉ.अपर्णा मिश्रा, डॉ अनंत कुमार श्रीवास्तव ,डॉ शिवानी कुशवाहा सहित उप प्राचार्या डॉ.नीता सिंह एवं डॉ. सरोज सिंह उपस्थित रही।

जागरूकता अभियान के तहत व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। शुक्रवार को एससी एसटी सेल सीएमपी महाविद्यालय के द्वारा एजुकेशन एंड ह्यूमन राइट्सरू स्पेशल रेफरेंस टू हायर एजुकेशनष विषय पर जागरूकता अभियान के तहत एक व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संजीव कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर विधि संकाय इलाहाबाद विश्वविद्यालय का व्याख्यान हुआ। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने मानवाधिकारों के ऊपर विस्तार से प्रकाश डाला और उसके मूल में शिक्षा को बताया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के कथन षशिक्षा वह शेरनी का दूध है, जिसे जो जितना पिएगा उतना दहाड़ेगाष का उल्लेख करते हुए अपने व्याख्यान को विस्तार प्रदान किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मानवाधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और यह

सब तभी संभव होगा जब आप शिक्षित होंगे, क्योंकि साक्षर और शिक्षित में विशेष अंतर है। साक्षर का अर्थ केवल पढ़ना लिखना वर्ण अक्षर का ज्ञान होना है, जबकि शिक्षित का अर्थ अपने अधिकारों के प्रति अपने सभी कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना है। इस दौरान महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के डॉ. गोविंद गौरव ने मानवाधिकारों और शिक्षा को लेकर संक्षेप में परंतु सारगर्भित उद्बोधन दिया, जिसमें उन्होंने शिक्षा को ही सभी प्रकार के उत्थान एवं उन्नति का आधार बताया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य वक्ता के स्वागत से किया गया जिसमें एससी एसटी सेल के संयोजक डॉ. दीनानाथ ने अतिथि का वाचिक स्वागत एवं परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमेश कुमार भारती ने किया और डॉ. हरि प्रताप भास्कर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. भारती कोरी, डॉ. पूजा गौर, डॉ. विजय बहादुर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सुभाष कुमार सरोज,डॉ. संगीता आदि प्रबुद्ध जन उपस्थित थे एवं हिंदी, संस्कृत आदि विभिन्न विभागों के स्नातक, परास्नातक एवं शोध छात्र उपस्थित थे।

लोकपाल मनरेगा ने लक्ष्मनपुर ब्लाक व लालगंज के कोटवा शुकुलपुर का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा ब्लाक पहुँचकर मनरेगा सेल

समाज शेखर प्राण ने लक्ष्मनपुर का निरीक्षण किया। साथ ही मनरेगा कर्मियों और ब्लाक के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ बैठक करके मनरेगा शिकायत निवारण पर गंभीर चर्चा हुई। वहीं लालगंज ब्लाक के कोटवा शुकुलपुर में स्थलीय भ्रमण करके लोकपाल ने फार्म पांड का स्थलीय निरीक्षण प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम वासियों की उपस्थित में किया गया। कोटवा शुकुलपुर के फार्म पांड का स्थलीय निरीक्षण में तालाब में मानक के अनुसार कार्य न करने को गंभीरता लेते हुए पंचायत सहायक व सचिव को १ सप्ताह के भीतर नियमानुसार दुरुस्त कर सूचित करने का निर्देश दिया। ग्राम प्रधान और मजदूरों के साथ ग्राम में मनरेगा योजना को सुव्यवस्थित संचालन पर चर्चा हुई। लोकपाल समाज शेखर ने कहा की किसी भी दशा मे फर्जी मजदूर मनरेगा योजना मे न लगाए जाए । ग्राम के मजदूरों का भौतिक सत्यापन शीघ्र संपादित होगा। उन्होंने सभी का उत्साह बढ़ाते हुए ग्राम के संसाधनों के विकास मे अपनी भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

होश में आया चालक, बोला चार बदमाशों ने लूट लिया था गेहूं लदा ट्रक

प्रतापगढ़। कुंडा से गेहूं लादकर हैदराबाद जा रहे ट्रक चालक को चित्रकूट में कार सवार चार बदमाशों ने लूट लिया था। इसके बाद उसे बेहोशी की हालत में प्रतापगढ़ के दिलीपपुर थाना इलाके में लाकर फेंक दिया था। प्रयागराज में भर्ती ट्रक चालक ने गुरुवार को होश में आने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी। दिलीपपुर पुलिस ने भी प्रयागराज जाकर चालक का बयान लिया। जेठवारा थाना क्षेत्र के कुटिलिया गांव निवासी मो0 इलियास का 33 वर्षीय बेटा इरफान स्वयं का ट्रक चलाता है। वह मंगलवार को घर से हैदराबाद जाने के लिए ट्रक लेकर निकला था। गुरुवार सुबह वह बेहोशी की हालत में दिलीपपुर थाना क्षेत्र के रसोईयां गांव के पास सड़क किनारे मिला था। पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया लेकिन होश न आने पर परिजन लेकर प्रयागराज चले गए। प्रयागराज में गुरुवार को इरफान होश में आ गया। परिजनों को बताया कि वह कुंडा से ट्रक पर गेहूं लादकर हैदराबाद जा रहा था। चित्रकूट के राजापुर में कार से आए चार लोगों ने उसे ओवरटेक कर रोक लिया। सभी लोग ट्रक की केबिन में आ गए। इसके बाद क्या हुआ उसे कुछ जानकारी नहीं है। दिलीपपुर पुलिस ने भी गुरुवार को प्रयागराज पहुंच कर ट्रक चालक का बयान लिया। एसओ विवेक मिश्र ने बताया कि ट्रक चालक का बयान लेने के लिए पुलिस प्रयागराज भेजी गई थी। परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। घटना की जांच की जा रही है।

समाजवादियों ने मनाया आरक्षण का अधिकार दिवस

प्रतापगढ़। शहर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को संविधान मान स्तंभ की स्थापना कर आरक्षण का अधिकार दिवस मनाया गया। जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने बताया पीडीए को अधिकार तभी मिलेगा जब उचित रूप से आरक्षण का हक सबको मिलेगा। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध है। जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार संस्थानोंका निजीकरण कर नौकरियों में आरक्षण का अमल न कर इसे समाप्त कर रही है। सरकार युवाओं को नौकरी इसलिए नहीं दे रही है जिससे उन्हें आरक्षण ना देना पड़े। भाजपा सरकार दलित, पिछड़ों व वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित कर रही है। पार्टी की महिला सभा जिला अध्यक्ष शांति सिंह ने कहा कि डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने सबके विकास के लिए पिछड़ों को विशेष अवसर दिए जाने की मांग उठाई थी। संविधान और आरक्षण खत्म करने का खतरा अभी टला नहीं है। जनता के संकल्पित प्रयास से संविधान विरोधियों को मान देने का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। अश्वनी सोनी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का वैचारिक संघर्ष जारी रहेगा। इसी को देखते हुए समाजवादी पार्टी संविधान मान स्तंभ की स्थापना कर रही है। इस मौके पर गुलफाम खान, डॉक्टर शेर बहादुर यादव, आर के भीम, अहमद अली, राजकुमार यादव, रामाशंकर यादव, मनीष पाल, संदीप यादव, असलम खान, भैया राम पटेल, माधुरी यादव आदि पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसपी ने तीन दर्जन से अधिक उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्रों में किया फेरबदल

प्रतापगढ़। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाये रखने के लिए एसपी डॉ0 अनिल कुमार ने शुक्रवार को जिले के 41 उप निरीक्षकों के कार्यक्षत्रों में बदलाव किया है। पुलिस लाइन में तैनात रमाकांत तिवारी को नवाबगंज, सांगीपुर के घनश्याम यादव को उदयपुर, अजय कुमार आंचल को आसपुर देवसरा, रामजी यादव को न्यायालय सुरक्षा से पुलिस लाइन, राम सुमेर यादव पुलिस लाइन से पट्टी, सचिन कुमार सांगीपुर, प्रदीप कुमार अंतू, प्रभात कुमार मांधाता, राजेश कुमार पट्टी, एक अन्य राजेश कुमार कंधई, तेज बहादुर गौतम, राजेश यादव नगर कोतवाली भेजा गया है।

वहीं, मिथिलेश राय को पट्टी, मनीष कुमार मिश्र अंतू, धर्मेंद्र कुमार महिला थाना, रविंद्र नारायण कंधई, ओंकार सिंह यादव पट्टी, श्याम बाबे अग्निहोत्री मांधाता, जय किशन राम सांगीपुर, अनूप कुमार आसपुर देवसरा, अशोक कुमार लालगंज, इदरीश खान, उपेंद्र कुमार शुक्ला लीलापुर, मतगंजन मिश्र अंतू, लाल भइया सिंह सांगीपुर, राम शंकर पांडेय, नियाज अहमद अंतू में नई तैनाती मिली है। इसके अलावा अरविंद कुमार सिंह को कुंडा, हरीश कुमार यादव सांगीपुर, मोहम्मद यूनुस कुंडा, अजय कुमार सिंह सांगीपुर, संजय कुमार सिंह मानिकपुर, रामसूरत यादव कंधई, पारसनाथ अंतू, बुद्धन राम, गुलाम मोहिउद्दीन महिला थाना, मनोज केसरवानी अंतू भेजे गए हैं। पिछले दिनों कोहंडौर से लाइन हाजिर प्रीति कटियार को सांगीपुर में एसएसआई बनाया गया है। पुलिस लाइन से ही चित्तर सिंह महेशगंज में एसएसआई के रूप में भेजे गए हैं। जबकि कृष्ण मुरारी तिवारी को कंधई भेजा गया है।

जिला उद्योग व व्यापार बन्धु की बैठक में डीएम ने कहा पत्रावलियों को बेवजह लम्बित न रखे

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में जिला उद्योग, व्यापार बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा व अन्य सम्बन्धित अधिकारी सहित व्यापारी एवं उद्यमी सम्मिलित हुये। जिलाधिकारी ने जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी को निर्देशित किया कि बैंक में 9.50 लाख का भुगतान नही होने पर जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये। उद्यमियों ने अपनी–अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष अवगत कराया। डीएम ने नगर पालिका परिषद बेल्हा को निर्देशित किया कि पानी की उपलब्धता के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये।बैठक में एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बैंकों के समन्वयकों से कहा कि बैंकों में पत्रावलियॉ को बेवजह लम्बित न रखें। जल्द से जल्द उसका निस्तारण किया जाये। ऋण वितरण की कार्यवाही भी की जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने आये हुये उद्यमियों की समस्याओं को सुना। उनके शिकायती पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों को हस्तगत करते हुये निर्देशित किया कि उद्यमियों, व्यापारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, बैंकों के जिला समन्वयक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमियों, व्यापर मण्डल की ओर से मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, अनुराग खण्डेलवाल सहित अन्य उद्यमी, व्यापारी उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्यकमियों ने किया प्रदर्शन

प्रतापगढ़, लालगंज। विभिन्न मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने शुक्रवार को सीएचसी पर विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बृजेश बहादुर सिंह व ब्लाक अध्यक्ष असहदउल्ला के संयुक्त नेतृत्व में स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों ने मांगों के समर्थन में एकजुटता दिखाई। जिलाध्यक्ष बृजेश ने बताया कि मानदेय विसंगतियों को दूर करने, मानदेय में वृद्धि करने, बोनस प्रदान किये जाने, रिक्त पदों पर स्थानांतरण करने समेत संघ की दस मांगें हैं। जिन पर सरकार उदासीन बनी हुई है। उन्होनें कहा कि मांगों के पूरा न होने पर स्वास्थ्य संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ में घेराव करने को मजबूर होगा।

संक्षिप्त

पुलिस मुठभेड़ में गोली से घायल नाबालिग से रेप के दोनों आरोपी अस्पताल से डिस्चार्ज होकर नेम पहुंचे जेल

प्रतापगढ़। किशोरी से गैंगरेप में पुलिस मुठभेड़ में गोली से घायल दोनों आरोपित बुधवार रात प्रयागराज के हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिए गए। बाद में दोनों को जेल भेज दिया गया। रानीगंज की 17 वर्षीय किशोरी को पट्टी के उड़ैयाडीह मोड़ पर मोबाइल की दुकान चलाने वाले बेलसंडी निवासी वसीम ने अपने गांव बुलाया था। यहां अपने तीन दोस्तों के साथ उससे रेप किया। पीड़िता के दादा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई। वांछित मुख्य आरोपित वसीम और उसके साथी मकबूल को मंगलवार रात कलियना पुर नहर के पास पुलिस मुठभेड़ में गोली लग गई थी। दोनों का प्रयागराज में इलाज चल रहा था। बुधवार को पुलिस ने मामले में फरार आरोपित बेलसंडी के ही अब्दुल कलाम उर्फ लाल बाबू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि चौथे आरोपित सोनू ने बुधवार को ही कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। बुधवार देर रात प्रयागराज में भर्ती पुलिस की गोली से घायल दोनों आरोपितों को डिस्चार्ज कर दिया गया। कोतवाल आलोक कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में घायल आरोपितों का पहले ही कोर्ट से रिमांड लिया गया था। हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को बांटें गए टैबलेट, दुरुपयोग से बचने का सुझाव

प्रतापगढ़, कुण्डा। बाबागंज ब्लाक के हीरागंज फतूहाबाद स्थित मां बच्ची स्मारक महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत शुक्रवार को मेधावी छात्र–छात्राओं को टैबलेट वितरत किया गया। टैबलेट पाकर छात्र–छात्राएं खुश हुए। कालेज के प्रबंधक यमुना प्रसाद सिंह ने कहा कि सरकार बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे रही है। टैबलेट के उपयोग से शिक्षा ग्रहण करने में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि टैबलेट और स्मार्टफोन के जरिये छात्र छात्राओं को शिक्षा के साथ साथ वैश्विक स्तर पर अपने ज्ञान को बढ़ाने का मौका मिलेगा। उन्होंने छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन के दुरुपयोग से बचने का सुझाव दिया। कॉलेज के संरक्षक विजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना दी। इस मौके पर अजय सिंह, विजय सिंह, ज्ञानेंद्र, विनोद शुक्ला, राजकुमार, सोनू, राकेश, मिथुन आदि लोग मौजूद रहे।

धान के खेत में काम कर रहे एकही गांव में दो किसानों की मौत

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के परसपुर खीरी गांव में गुरूवार की शाम दो अलग अलग घटनाओं में दो किसानों की मौत हो गयी। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। गांव के बयालिस वर्षीय सुशील कोरी उर्फ लल्लू पुत्र भूकन कोरी गुरूवार को खेत में जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम उसका गांव के एक धान के खेत में शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि वह बीमारी से ग्रसित था। घटना को लेकर मृतक के चचेरे भाई वीरेन्द्र सरोज की तहरीर पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। दरोगा राजेश यादव का कहना है कि पीएम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। वहीं परसपुर खीरी गांव में ही गांव निवासी छियालिस वर्षीय भाई लाल पटेल गुरूवार शाम अपने बेटे व बहू के साथ धान के खेत में काम कर रहा था। इसी बीच अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गयी। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन उसकी मौत हो गयी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिये बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। दरोगा राजेश यादव ने घटना की जानकारी से इंकार किया है।

कारगिल के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, उन्हें यादकर किया नमन

प्रतापगढ़। गौरवशाली पूर्व सैनिक संगठन के पूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध में शाहिद हुए सेना के जवानों को श्रद्धांजलि दी गयी। संगठन के अध्यक्ष ओंकारनाथ शर्मा एवं महासचिव आर ए सिंह के अगुवाई में शुक्रवार को सैनिक कल्याण बोर्ड परिसर में कारगिल में शहीद हुए जवानों को याद करने के लिए श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें शहीद हुए जवानों के शौर्य को यादकर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगठन के महासचिव आर ए सिंह ने किया। कार्यालय परिसर के शहीद स्थल पर प्रतापगढ़ के पीथीपुर गांव के शहीद हुए जवान विजय शुक्ला के चित्र पर जिला सैनिक कल्याण के सचिव कमांडर दिनेश मिश्रा आदि ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष ओंकार नाथ शर्मा, महासचिवआर ए सिंह, सुनील कुमार, विनोद कुमार, आरपी मिश्रा, जयप्रकाश पांडेय, राकेश पांडेय, एमपी पांडे, सुनील शर्मा, प्रेमचंद पांडे, अजय कुमार सिंह, दुर्गेश सिंह योगी, अतीक अहमद, राम सिंह पनियारी, बीबी सिंह आदि मौजूद रहे। शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

अधिवक्ता परिषद ने वारिष्ठ अधिवक्ताओं को किया सम्मानित

प्रतापगढ़। अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ इकाई द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जनपद न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय गुरु शिष्य परम्परा को निभाते हुए अपने वरिष्ठ एवं गुरुजनों को सम्मानित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम शुक्ल, राजाराम सरोज, रघुवीर उपाध्याय, गिरजा शंकर को माल्यार्पण कर अंगवस्त्र भेंट करते हुए उनका स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया गया। स्वागत समारोह में संघ के विभाग संघचालक रमेश, जिला कार्यवाह हेमंत कुमार, अधिवक्ता परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह, महामंत्री शिवेश शुक्ल, निर्वतमान जिलाध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष आशीष मौर्या, मंत्री कुलवंत शर्मा, रुपनारायण सरोज, विनीत शुक्ल, कोषाध्यक्ष भरत लाल, राहुल सिंह, अजीत शर्मा, अभिषेक शर्मा, इन्द्र कुमार दीपू सिंह, प्रशांत गुप्ता, मृदुल, आशीष, गुलाब, अवनीश आदि मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव से छात्राओं को जागरूक किया

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के आलमबाग स्थित गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की जानकारी दी गई। इस मौके पर विशेषज्ञों ने बताया कि इस बीमारी से सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है। इसके रोकथाम के लिए लगने वाली वैक्सीन के बारे में जानकारी सभी छात्राओं में साझा की गई।

संक्षिप्त

अमेरिकी अस्पतालों में साइबर हमले के लिए उत्तर कोरियाई हैकर अभ्यारोपित

संघीय अभियोजकों ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उत्तर कोरिया की सैन्य खुफिया एजेंसियों में से एक के लिए काम करने वाले एक व्यक्ति पर अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं

की साइबर प्रणाली में सेंध लगाने की साजिश में शामिल रहने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कंसास सिटी, कंसास में एक 'ग्रैंड जूरी' ने रिम जोंग ह्योक को अभ्यारोपित किया, जिस पर फिरौती के पैसे को वैध बनाने तथा उस धन का उपयोग दुनिया भर में रक्षा, प्रौद्योगिकी और सरकारी संस्थाओं पर अतिरिक्त साइबर हमलों के लिए करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर हैकिंग के कारण मरीजों के उपचार में बाधा उत्पन्न हुई।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पीटीआई के 39 निर्वाचित उम्मीदवारों को सांसद घोषित किया

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने आरक्षित सीटों के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद इमरान खान की पार्टी के 39 निर्वाचित उम्मीदवारों को सांसद के तौर पर अधिसूचित कर दिया है। मीडिया में बृहस्पतिवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'डॉन' समाचारपत्र की खबर के अनुसार, बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई को जेल में बंद इमरान खान की पार्टी

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) को महिलाओं और गैर–मुस्लिमों के लिए नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं में आरक्षित सीट हासिल करने के योग्य घोषित किया था। पीटीआई को संसदीय दल घोषित किए जाने के बाद बड़ी राहत मिली थी। अधिकतर न्यायाधीशों ने पाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा उल्लेखित नेशनल असेंबली के पीटीआई के 80 में से 39 सदस्य पार्टी से संबद्ध हैं। समाचार पत्र की खबर के अनुसार, शेष 41 सदस्यों को 15 दिन में निर्वाचन आयोग को बताना होगा कि उन्होंने आठ फरवरी का आम चुनाव पीटीआई के उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था। आयोग ने अंततः पिछले सप्ताह न्यायालय के आदेश के पालन का फैसला किया था।

PTI नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक करेंगे देशभर में प्रदर्शन, महंगाई को लेकर धरने पर बैठने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान तहरीक–ए–इंसाफ और पार्टी के नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। इसे देखते हुए पाकिस्तान के अधिकारियों ने शुक्रवार को समर्थकों से निपटने की तैयारी कर ली। पीटीआई के अलावा जमात–ए–इस्लामी ने बिजली और अन्य वस्तुओं बढ़ती उच्च लागत को लेकर इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने की घोषणा की। पीटीआई समर्थक 71 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पीटीआई के अन्य नेताओं की रिहाई के लिए प्रदर्शन करेंगे।

पिछले साल इमरान कान की हुई थी गिरफ्तारी

पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा दायर पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान खान को पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया था।

ओबामा ने साध रखी है चुप्पी, ट्रंप को चुनौती देने से पहले कमला को जीतना होगा `अपनों' का भरोसा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच बातचीत लगातार जारी है। मजेदार बात ये है कि ये बातचीत हैरिस के राष्ट्रपति पद पर बाइडेन द्वारा घोषणा किए जाने के बाद शुरू हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति की रेस से बाहर होने की बाइडेन के घोषणा के बाद कमला हैरिस को आवश्यक 1,976 से अधिक प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त है। कमला हैरिस अपना चुनाव प्रचार भी शुरू कर चुकी हैं। उसके बाद से ही उनके और ओबामा के बीच कई बार बातचीत हो चुकी है। अमेरिकी चुनाव में इस बार की जंग इतनी भी आसान नहीं रहने वाली है। कई सर्वे ये दावा कर चुके हैं कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार बढ़त कायम रखा है। ऐसे में संभव है कि ट्रंप को मात देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी अपनी रणनीति में बदलाव कर सकती है। कहा तो ये भी जा रहा है कि बराक ओबामा को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

बराक ओबामा चुप क्यों हैं?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा कथित तौर पर 81 वर्षीय बाइडेन के ट्रंप से डिबेट में पिछड़ने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर करने के लिए सबसे प्रमुख आवाजों में से एक थे। ऐसा लगता है कि ओबामा द्वारा डाला गया दबाव बाइडेन के अपना मन बदलने में काम कर गया। कुछ ही समय बाद, ओबामा ने एक पोस्ट में लिखा कि जो बाइडेन अमेरिका के सबसे परिणामी राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं, साथ ही मेरे लिए एक प्रिय मित्र और भागीदार भी रहे हैं। आज, हमें फिर से याद दिलाया गया है कि वह सर्वोच्च कोटि के देशभक्त हैं।

किसने किया हैरिस का समर्थन?

ओबामा से सार्वजनिक समर्थन अभी भी होना बाकी है, कमला हैरिस, जिनका

पालन–पोषण उनकी एकल भारतीय मां ने किया है, को कई अन्य डेमोक्रेट के साथ–साथ दानदाताओं और मशहूर हस्तियों से भी समर्थन मिला है। प्रमुख डेमोक्रेटिक फंडराइज़र जॉर्ज क्लूनी ने हैरिस को अपना समर्थन दिया है और उपराष्ट्रपति हैरिस का समर्थन करने के लिए हम जो कुछ भी कर सकते हैं करने का वादा किया है। गायिका चार्ली एक्ससीएक्स और ओलिविया रोड्रिगो ने भी उपराष्ट्रपति के समर्थन में आवाज उठाई है।कांग्रेस में प्रमुख डेमोक्रेटिक नेताओं, सीनेट के बहुमत नेता चक शूमर और हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ़रीज़ ने भी एक संवाददाता सम्मेलन में अपने समर्थन की घोषणा की। शूमर ने कहा कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन जीतने के लिए आवश्यक प्रतिनिधियों के बहुमत को हासिल करने के लिए वास्तव में प्रभावशाली काम किया है। डेमोक्रेट पहले से कहीं अधिक मजबूत और एकजुट होकर आगे बढ़ रहे हैं। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने हैरिस के पीछे अपना समर्थन दिया।

अभी तक हैरिस का समर्थन किसने किया है?

ओबामा के अलावा, अभी भी कुछ लोग हैं जिन्होंने हैरिस का समर्थन नहीं किया है। उनमें से सबसे उल्लेखनीय न्यूयॉर्क शहर के पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग हैं, जो एक प्रमुख डेमोक्रेटिक दानदाता हैं। उन्होंने लिखा कि उम्मीदवार चुनने में जल्दबाजी करने से हार भी मि सकती है। मिशिगन की प्रतिनिधि रशीदा तलीब ने भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति को अपना समर्थन नहीं दिया है। द इंटरसेप्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि वह अगले महीने एक खुले सम्मेलन में पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का समर्थन करती हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन जहां पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा की जाएगी, वह अगले महीने 19 अगस्त से 22 अगस्त तक शिकागो में शुरू होगा। और हम गारंटी देते हैं कि यह एक करीबी नजर वाला कार्यक्रम होगा।

भारत की `एक्ट ईस्ट नीति' का आधार है आसियान, लाओस में राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर खुलकर बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के लिए, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान) उसकी एक्ट ईस्ट नीति और उसके इंडो–पैसिफिक दृष्टिकोण की आधारशिला है। आसियान–भारत के विदेश मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए, आसियान उसकी एक्ट ईस्ट नीति और उसके बाद बने इंडो–पैसिफिक दृष्टिकोण की आधारशिला है। हमारे लिए आसियान के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोगों से लोगों के बीच संबंध भी ऐसे ही हैं जिनका हम लगातार विस्तार करना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आसियान को कितनी प्राथमिकता देता है, यह पिछले साल हमारे अपने जी–20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर प्रधान मंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा से स्पष्ट था। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने 12–सूत्रीय योजना

की घोषणा की थी जिस पर काफी हद तक काम किया गया है। उन्होंने कहा कि यह जानना उत्साहजनक है कि भारत–आसियान साझेदारी हर गुजरते दिन के साथ और अधिक आयाम हासिल कर रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा जयशंकर कि लाओस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि यह वर्ष भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का प्रतीक है, जिसकी घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 9वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी। 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' विभिन्न स्तरों पर विशाल एशिया–प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक राजनयिक पहल है। भारत एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र की परिकल्पना करता है, जो नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर बना हो। आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं। इससे पहले शुक्रवार को जयशंकर ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की और शिक्षा, कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशांत द्वीप समूह और क्रिकेट पर चर्चा की।

भारत ने अपनी मिसाइल को ही मार गिराया, हैरान करने वाला वीडियो सामने आया

भारत ने एक ऐसा कारनामा कर दिया है जिसने कई देशों की धड़कनों को रोक दिया है। भारत ने अपनी ही एक मिसाइल दागी, उसका पीछा किया और आसमान में उसे उड़ा दिया। भारत ने आसमान में एक नया इतिहास रच दिया है। आसमान में ये कारनामा करते वक्त जमीन से 10 हजार लोगों को शिफ्ट कर दिया गया। दरअसल, भारत ने एक परीक्षण किया है जो 100 प्रतिशत सफल हो गया है। डीआरडीओ ने ओडिशा के बालासोर स्थित अब्दुल कलाम आइलैंड से एक मिसाइल दागी। फिर उसी मिसाइल को स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम से रोक दिया। डीआरडीओ ने पहले पृथ्वी–2 न्यूक्लियर

बैलेस्टिक मिसाइल दागी। हालांकि इस मिसाइल में कोई न्यूक्लियर हेड नहीं लगा हुआ था। पृथ्वी मिसाइल को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर लॉन्च किया गया। एडी–1 मिसाइल एक अद्यतन विमानभेदी मिसाइल है। जिसकी मदद से भारत भविष्य में देश की ओर आने वाली किसी भी मिसाइल को हवा में ही नष्ट कर देगा। इस मिसाइल की दो सीरीज एडी–1 और एडी–2 हैं। दोनों नों मिसाइलें दुश्मन की मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों (प्तडे) को नष्ट कर सकती हैं। यह 5000 किमी तक की रेंज वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। इसमें अमेरिका की टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (ज्भ्।क्) मिसाइल के समान रक्षा प्रणाली है। जब वे दुश्मन की मिसाइलों को आते देखेंगे तो वे गोलीबारी करेंगे। वे उन्हें उनकी जमीन से 1000 से 3000 किलोमीटर के अंदर ही नष्ट कर देंगे। बताया गया कि उड़ान परीक्षण के दौरान सभी परीक्षण लक्ष्यों को शत प्रतिशत प्राप्त किया गया जिससे संपूर्ण नेटवर्क केंद्रित युद्ध अस्त्र प्रणाली की पुष्टि हुई। मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज में किया गया। ये परीक्षण भारत की बैलेस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली (बीएमडी) की क्षमताओं का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण था। बीएमडी का उद्देश्य देश को दुश्मन की आने वाली बैलेस्टिक मिसाइलों से बचाना है।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की कब होगी वापसी ?

नासा ने दिया स्पेस स्टेशन से चिपके बोइंग स्टारलाइनर का अपडेट

पिछले डेढ़ महीने से अंतरिक्ष में फंसी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर नासा ने नया अपडेट दिया है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर जुलाई में पृथ्वी पर नहीं लौटेंगे। नासा ने कहा कि उनके बोइंग कैप्सूल में आई दिक्कतों को इंजीनियर के दूर करने तक वे आईएसएस पर ही रहेंगी। स्टारलाइनर टीम अब अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए डेटा की समीक्षा कर रही है। न्यू मैक्सिको में नासा की व्हाइट सैंड्स टेस्ट सुविधा में आरसीएस थ्रस्टर परीक्षण ने मूल कारण मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की और नाममात्र अनडॉक और लैंडिंग के लिए उड़ान तर्क को अंतिम रूप देने में मदद की। संवाददाता सम्मेलन के दौरान स्टारलाइनर कार्यक्रम प्रबंधक और उपाध्यक्ष मार्क नैप्पी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पास चालक दल को वापस लाने के लिए एक अच्छा वाहन है।

उत्तरी जापान में भारी बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन, सैकड़ों लोग शरण लेने को मजबूर

उत्तरी जापान में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलनके कारण परिवहन सेवाएं बृहस्पतिवार को बाधित हो गईं तथा सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने यामागाटा और अकिता प्रांत के कई शहरों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की। इन शहरों में अब तक गर्म हवाएं चलने के कारण उमस भरा मौसम था। प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने प्रभावित इलाकों के लोगों से मौसम संबंधी जानकारियों पर लगातार नजर बनाए रखने और "सुरक्षा को प्राथमिकता देने" की अपील की। अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, अकिता प्रांत के युजावा शहर में एक व्यक्ति सड़क निर्माण स्थल पर भूस्खलन की चपेट में आने के बाद लापता हो गया। एजेंसी के मुताबिक, युजावा में बचाव कर्मियों ने नाव की मदद से बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से 11 प्रभावितों को सुरक्षित निकाला।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।